@Qpatrika
@qaumipatrikahindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 21 नवंम्बर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.inEmail:

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 13 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



स्वदेशी पशु टीकों से किसानों की आय बढ़ी : पीएम मोदी

‘पिछले 12 वर्षों में किसानों की समृद्धि और ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं’

‘ग्रामीण भारत को मिला नया बल’

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 12 वर्षों में स्वदेशी टीकों का विकास, पशुधन और पोल्ट्री (मुर्गी पालन) को संक्रामक रोगों से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इन प्रयासों से पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने, बीमारियों से होने वाले नुकसान को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और किसान समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में किसानों की समृद्धि और ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी टीकों का विकास पशु चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है। साथ ही यह एक मजबूत और आत्मनिर्भर कृषि इकोसिस्टम बनाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दिखाता है।

उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक लेख का जिक्र किया, जिसमें विस्तार से बताया गया है कि कैसे स्वदेशी टीकों का विकास पशुधन और पोल्ट्री को संक्रामक रोगों से बचाने में मदद कर रहा है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि उनका जीवन भी बेहतर और आसान हुआ है।

इस बीच, कृषि मंत्री देश की पोल्ट्री को ‘बर्ड फ्लू’ (एच5एन1 स्ट्रेन) के प्रकोप से बचाने के लिए इसके खिलाफ भारत की पहली स्वदेशी वैक्सीन को राष्ट्र को समर्पित करने वाले थे। भोपाल स्थित आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ



हाई सिक्योरिटी एनिमल डिसीज (आईसीएआर-एनआईएचएसएडी) ने ‘बर्ड फ्लू’ (जिसे एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है) जैसी घातक बीमारी के खिलाफ एक वैक्सीन विकसित की है। इस वैक्सीन को संस्थान में पेश किया जाना था। यह देश के पोल्ट्री क्षेत्र में बीमारी पर नियंत्रण को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बर्ड फ्लू के कारण न केवल बड़ी संख्या में पशुओं/पक्षियों को मारना पड़ता है और व्यापार पर प्रतिबंध लगाने पड़ते हैं, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय बाजारों को भी बाधित करता है, पोल्ट्री उत्पादों की कीमतों को प्रभावित करता है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाता है। भारत में 2006 में पहला मामला सामने आने के बाद से देश में एच5एन1 और एच5एन8 सबटाइप से जुड़े 500 से अधिक प्रकोप (आउटब्रेक) देखे गए हैं। सरकारी अनुमान बताते हैं कि एक बड़े प्रकोप से भारत की जीडीपी वृद्धि में 1.5 प्रतिशत की कमी आ सकती है और देश की 20 प्रतिशत से अधिक पोल्ट्री आबादी खतरे में पड़ सकती है। पहले हुए प्रकोपों से इस आर्थिक जोखिम का पता चल चुका है। 2006 के प्रकोप के कारण लगभग 2,200 करोड़ से 3,000 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ था, जबकि मणिपुर में हुए एक अन्य प्रकोप से राज्य की जीडीपी के 0.5 प्रतिशत के बराबर नुकसान हुआ था।

कृषि संबंधी नुकसान के अलावा, एच5एन1 सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरे पैदा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2003 से अब तक भारत सहित 25 देशों में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा के 1,003 मानवीय मामले सामने आए हैं, जिनमें 479 लोगों की मौत हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने योगी आदित्यनाथ से की बात

मुख्यमंत्री की मां के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को 91 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी जिले के गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम योगी की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनसे बात की। साथ ही उपराष्ट्रपति के साथ कई भाजपा नेताओं ने भी दुख जताया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत की और उनकी मां के निधन पर शोक व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी सावित्री देवी के निधन का



समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन समय में मेरी गहरी संवेदनाएं सीएम योगी एवं उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन अत्यंत दुःखद है।

सार संक्षेप

अवैध खनन मामले में डीएमके के पूर्व मंत्री मूर्ति के आवास पर पुलिस की छापेमारी

मदुरै। तमिलनाडु में पत्थर खदानों में नियमों का उल्लंघन कर लाल मिट्टी और पत्थरों के अवैध खनन के मामले में दर्ज मुकदमे के सिलसिले में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के पूर्व मंत्री मूर्ति के मदुरै स्थित आवास पर शुक्रवार सुबह पुलिस ने छापेमारी की। पिछली डीएमके सरकार में मूर्ति वाणिज्यिक कर एवं पंजीकरण विभाग के मंत्री थे। मदुरै जिले के अलंगानल्लूर और पालामेडु क्षेत्रों में स्थित पत्थर खदानों में निर्धारित सीमा से अधिक लाल मिट्टी और पत्थरों का खनन किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों के आधार पर मदुरै जिला अपराध शाखा पुलिस ने पूर्व मंत्री मूर्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसी मामले में पुलिस ने शुक्रवार सुबह उनके मदुरै स्थित आवास पर अचानक छापेमारी की।

योगी सरकार के प्रयास सफल, सब्जी-फल उत्पादन में यूपी बना अव्वल

लखनऊ: उत्तर प्रदेश पूरे देश में कृषि और बागवानी के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। योगी सरकार के खेती को परंपरागत दायरे से आगे बढ़ाकर अधिक लाभकारी बनाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के वर्ष 2025-26 के तीसरे अग्रिम अनुमान में सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश बागवानी उत्पादन, कुल बागवानी क्षेत्रफल और उत्पादकता के मामले में देश में पहले स्थान पर है।

एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी लगातार छठी बार बने एसजीपीसी के प्रधान

चंडीगढ़। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के वार्षिक चुनाव में शुक्रवार को मौजूदा प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को लगातार छठी बार अध्यक्ष चुन लिया गया। अमृतसर स्थित एसजीपीसी मुख्यालय के तेजा सिंह समुंद्री हॉल में हुए चुनाव में धामी के नाम पर सर्वसम्मति बनी। एसजीपीसी के कुल 190 सदस्यीय सदन में इस बार केवल 138 सदस्यों को मतदान का अधिकार था।

प्रधानमंत्री से मिले मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पाद किए भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को हरिद्वार कुंभ-2027 की भव्यता को प्रदर्शित करती मां गंगा की प्रतिकृति भेंट की। इसके साथ ही शहद, घी, हर्षिल का राजमा एवं लाल चावल भी भेंट किए। इसके साथ ही सीएम धामी ने राज्य के विकास के लिए उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन पर आभार जताया। सीएम पुष्कर धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''शक्तिशाली, सामर्थ्यवान और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार, देश के दुश्मनों की हर साजिश को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से



नाकाम कर युवाशक्ति, मातृशक्ति व वरिष्ठजनों के सपनों को साकार करने वाले, विकास और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में भेंट कर उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया।''उन्होंने आगे लिखा, ''इस अवसर पर उन्हें देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध लोककला, परंपरा एवं स्थानीय उत्पादों की अनूठी पहचान मलारी की पारंपरिक हस्तनिर्मित कोट की पट्टी, दोरखा (ऊनी वस्त्र), उत्तराखंड का शुद्ध शहद, बद्री घी, हर्षिल का राजमा एवं लाल चावल तथा हरिद्वार कुंभ-2027 की भव्यता को प्रदर्शित करती मां गंगा की प्रतिकृति सादर भेंट की।''

आज युवाओं के चेहरों पर टैबलेट प्राप्त होने की जो प्रसन्नता दिखायी दे रही, वह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि युवा के चेहरे पर आने वाली खुशी पूरे समाज की खुशी होती है। यह खुशी समाज को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। आज युवाओं के चेहरों पर टैबलेट प्राप्त होने की जो प्रसन्नता दिखायी दे रही है, वह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। यह टैबलेट केवल एक डिजिटल डिवाइस नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय है। इसका उपयोग रील देखने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसके माध्यम से युवा अपनी शिक्षा, कौशल, करियर और भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा तकनीकी रूप से सशक्त बने और विकसित भारत के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभाए।मुख्यमंत्री जी आज गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर एवं महराजगंज जनपदों के 50,000 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं



प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं के साथ सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना से सम्बन्धित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के कारण परीक्षाएं आयोजित नहीं हो पा रही थीं। शिक्षा व्यवस्था के सामने असमंजस की स्थिति थी। उस समय बच्चों को एक वर्ष बिना परीक्षा के ही प्रमोट करना पड़ा था। ऐसे में अगले वर्ष की शिक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता स्वाभाविक थी। इसी पृष्ठभूमि में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पावन जयन्ती के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना लागू की गई। उस समय प्रदेश के 02 करोड़ युवाओं को टैबलेट वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।योजना के प्रथम चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरित किए गए। बाद में युवाओं की ओर से यह माँग आयी कि स्मार्टफोन के स्थान पर टैबलेट अधिक उपयोगी होगा।

शेष पृष्ठ 3 पर

संविधान सिर्फ कानूनी दस्तावेज नहीं, गणराज्य का नैतिक मार्गदर्शक: राधाकृष्णन

संवैधानिक मूल्य केवल संस्थाओं और कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहने चाहिए



एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि संविधान के मूल्यों को मजबूत करने के लिए नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी समान महत्व समझना होगा। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब संस्थाएं जवाबदेह रहें, असहमति का सम्मान हो और नागरिक जिम्मेदारी के साथ अपने अधिकारों तथा कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के गणराज्य का नैतिक मार्गदर्शक है। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राधाकृष्णन ने कांस्टीट्यूशन क्लब में बेनेट विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से आयोजित पांचवें संविधान सप्ताह समारोह 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्य केवल संस्थाओं और कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उन्हें आम नागरिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए।

करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है : उपराष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है और गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल की पहुंच 82 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कभी विकास की दौड़ में पीछे रहने वाले सीमावर्ती गांव अब जीवंत गांवों के रूप में उभर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने इन उपलब्धियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आया बदलाव बताया। महिला सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी पहल उनकी सोच को आगे बढ़ा रही हैं। देश में महिलाएं अब केवल विकास की लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का नेतृत्व करने वाली सक्रिय भागीदार बन रही हैं।

रक्षा भूमि प्रबंधन में एआई और ड्रोन तकनीक का उपयोग समय की मांग: ओम बिरला

‘रक्षा भूमि के संरक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा और छावनियों में नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गयी’

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा भूमि प्रबंधन में एआई, जीआईएस और ड्रोन तकनीक का उपयोग समय की मांग है। बिरला यहां डिफेंस एस्टेट्स ऑर्गनाइजेशन (रक्षा संपदा संगठन) के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'डिफेंस एस्टेट्स सेंटेनरी लेक्चर 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर रक्षा भूमि के संरक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा और छावनियों में नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गयी। बदलते समय



की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा, रक्षा भूमि प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए एआई, जीआईएस, ड्रोन तकनीक और डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही ई-छावनी, स्मार्ट, हरित और टिकाऊ छावनियों के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण तथा ऐतिहासिक अभिलेखों को सहेजने जैसे प्रयासों को और गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी समृद्ध विरासत, अनुभव और पेशेवर दक्षता के आधार पर रक्षा संपदा संगठन आने वाले समय में भी राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन और जनकल्याण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों और रक्षा संपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया और महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया।

भाजपा ने समाजवादी पार्टी पर लगाया सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी और आजम खान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांप्रदायिक राजनीति उसका उद्देश्य है। आजम खान को यह याद रखना चाहिए कि उन्हें जमानत मिली है लेकिन वे अभी भी मुकदमे का सामना कर रहे हैं, उन्हें दोषमुक्त नहीं किया गया है। गौरव भाटिया ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि एक तरफ उत्तर प्रदेश में विकास के कार्य हो रहे हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को मजबूत किया है। इसके विपरीत अखिलेश यादव और आजम खान के शासनकाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। जनता के पैसे का इस्तेमाल कब्रिस्तानों की



चहारदीवारी बनाने और हज हाउस के निर्माण में किया जाता था। उनका उद्देश्य केवल सांप्रदायिक और तुष्टिकरण की राजनीति करना था।नक्शे देखें भाजपा प्रवक्ता ने आजम खान के हालिया बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अगर किसी में शेर जैसी हिम्मत और पराक्रम है तो वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने का फैसला कर लिया है।

स्वीकृति

केंद्र ने दी 1.75 लाख नए शहरी मकानों को मंजूरी, 1.5 लाख को सैद्धांतिक स्वीकृति

स्वीकृत मकानों की कुल संख्या 24.15 लाख से अधिक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत 1.75 लाख नए मकानों के निर्माण को मंजूरी दी है। इसके अलावा 1.5 लाख मकानों के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति भी दी गयी है। इसके साथ ही योजना के तहत स्वीकृत मकानों की कुल संख्या 24.15 लाख से अधिक हो गई है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की 11वीं बैठक 19 नवंबर को शहरी विकास विभाग के सचिव सतेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मकानों के निर्माण से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया गया।



सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से स्वीकृत धनराशि का समय पर उपयोग करने और लाभार्थियों तथा कार्यान्वयन एजेंसियों को समय से राशि जारी करने को कहा।

बैठक में असम, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में लाभार्थी आधारित निर्माण तथा भागीदारी में किफायती आवास श्रेणियों के तहत 1.75 लाख मकानों को मंजूरी दी गई। इनमें असम के 4,841, गोवा के छह, गुजरात के 5,793, मध्य प्रदेश के 10,913, महाराष्ट्र के 19,778, ओडिशा के 2,681, पुडुचेरी के 937, राजस्थान के 4,572, तमिलनाडु के 14,350, उत्तर प्रदेश के 1,01,493 और पश्चिम बंगाल के 10,159 मकान शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में 1,27,349 और महाराष्ट्र में 22,484 मकानों के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है। इन प्रस्तावों पर अंतिम स्वीकृति संबंधित राज्यों की ओर से जरूरी अनुपालन और योजना के दिशा-निर्देशों का पालन करने पर निर्भर होगी।

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, लाल किले के पास अवैध पार्किंग रैकेट का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास चल रहे एक अवैध पार्किंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से फर्जी एमसीडी पार्किंग पर्चियां व 1,300 रुपए नकद बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पीपी लाल किला के पुलिसकर्मियों को एक गुप्त सूचना मिली कि लाल किले के पास, अपर सुभाष मार्ग पर मेट्रो गेट नंबर 2 के निकट, एक व्यक्ति दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नाम वाली पार्किंग पर्चियां जारी कर रहा है और बिना किसी आधिकारिक अनुमति के लोगों से पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई। गुरुवार सुबह लगभग 10.40 बजे, टीम मौके पर पहुंची और देखा कि एक व्यक्ति वाहन चालकों को अपनी गाड़ियां वहां पार्क करने के लिए बुला रहा है। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। उसकी पहचान दिल्ली के शास्त्री पार्क निवासी 40 वर्षीय मो. नौशाद के रूप में हुई। जब उससे पार्किंग चलाने के लिए कोई वैध लाइसेंस, आवंटन पत्र या अनुमति दिखाने को कहा गया, तो वह कुछ भी पेश नहीं कर सका। टीम ने उसके पास से 1,300 रुपए नकद और 100 पार्किंग पर्चियों वाली एक बुकलेट बरामद की। इनमें से 18 पर्चियां इस्तेमाल हो चुकी थीं, जबकि 82 पर्चियां अभी इस्तेमाल नहीं हुई थीं। पूछताछ के दौरान पता चला कि मो. नौशाद को 17 दिसंबर 2024 से तीन साल के लिए पार्किंग चलाने का एमसीडी लाइसेंस दिया गया था। हालांकि, बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण एमसीडी ने अगस्त 2026 में उसका लाइसेंस रद्द कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि जब उससे इस सुविधा को जारी रखने के अधिकार के बारे में पूछा गया, तो वह कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं दिखा सका। फिलहाल इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) और 319(2) के तहत थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

लाल हिट जनता पार्टी का देशभर में विस्तार, 5 दिसंबर से धरने की चेतावनी



नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल हिट जनता पार्टी ने शुक्रवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में देशभर में संगठनात्मक विस्तार और नए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की घोषणा की। इस दौरान पार्टी ने राष्ट्रीय सुरक्षा, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही से जुड़े मुद्दे उठाते हुए सरकार से पाकिस्तान से कथित फंडिंग के आरोपों पर जवाब मांगा। पार्टी ने संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर 5 दिसंबर से धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी। पत्रकार वार्ता में पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक अयन भटनागर और राष्ट्रीय प्रवक्ता अरित्र दास ने संगठन की भावी रणनीति साझा की। अरित्र दास ने अभिजीत दीप्से, सौरव दास और आशुतोष रांका से जुड़े पाकिस्तान से कथित वित्तीय लेन-देन के आरोपों पर सरकार से विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और धन के स्रोत तथा संभावित लेन-देन का विवरण सामने आना चाहिए। पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के संबंध में की गई टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग भी की। पार्टी का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर राजनीतिक संवाद में मर्यादा और संस्थागत गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। पार्टी की राष्ट्रीय सह-संयोजक एवं बिहार की अधिवक्ता आयुषी सिंह ने युवाओं से अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और सत्य एवं न्याय के पक्ष में खड़े होने का आह्वान किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्याय के सामने मौन रहना उचित नहीं है। राष्ट्रीय संयोजक अयन भटनागर ने युवाओं से राष्ट्रहित को प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को तथ्यों के आधार पर अपनी राय विकसित करनी चाहिए और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक संवाद में हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर पार्टी ने नए पदाधिकारियों की घोषणा भी की। इनमें अयन भटनागर को संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक, विनीत सुथार को राष्ट्रीय अनुसंधान एवं नीति प्रमुख, अरित्र दास को राष्ट्रीय प्रवक्ता, वीसम सत्य को राष्ट्रीय सह-संयोजक तथा अधिवक्ता आयुषी सिंह को बिहार का राष्ट्रीय सह-संयोजक नियुक्त किया गया। पार्टी ने कहा कि आगामी दिनों में विभिन्न राज्यों में संगठन का विस्तार, युवा भागीदारी और नीतिगत गतिविधियां तेज की जाएंगी। साथ ही पाकिस्तान से कथित फंडिंग के आरोपों पर जवाबदेही की मांग को लेकर 5 दिसंबर से प्रस्तावित धरना उसके आगामी कार्यक्रमों का प्रमुख हिस्सा होगा।

दिल्ली लक्ष्मी योजना में देरी महिलाओं के साथ विश्वासघात : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के धीमे क्रियान्वयन को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हर परिवार की एक महिला को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने के वादे को पूरा करने में देरी दिल्ली की गरीब महिलाओं के साथ विश्वासघात है। देवेंद्र यादव ने 20 नवंबर को जारी सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि योजना के तहत 7,52,314 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 48,591 को स्वीकृति मिली है। वहीं, अब तक महज 4,541 महिलाओं को योजना का लाभ पहुंचा है, जबकि 6,93,764 आवेदन लंबित हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब हजारों महिलाओं तक लाभ पहुंचाने में सरकार को इतना समय लग रहा है, तो लाखों लंबित आवेदनों का निपटारा कब होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरकार बनने के बाद पहली मंत्रिमंडल बैठक में योजना को मंजूरी देने का आश्वासन दिया था। चुनाव के बाद योजना के लिए बजट में 5,100 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए, लेकिन इसके बावजूद महिलाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि योजना में पात्रता संबंधी कई शर्तें लागू कर बड़ी संख्या में महिलाओं को लाभ से वंचित कर दिया गया है। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की महिलाओं के लिए दिल्ली में कम से कम 10 वर्ष का निवास, मतदाता पहचान पत्र और 2.5 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय जैसी शर्तें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि अधूरे आवेदन और दस्तावेजों की कमी का हवाला देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में 71 लाख से अधिक पंजीकृत महिला मतदाता हैं। चुनाव के दौरान 2,500 रुपये मासिक सहायता के वादे से प्रभावित होकर मतदान करने वाली महिलाएं अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार लंबित आवेदनों का शीघ्र निपटारा कर योजना को प्रभावी ढंग से लागू करे, ताकि महंगाई और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रही गरीब महिलाओं को राहत मिल सके।

अवैध निर्माण पर टाटा पावर-डीडीएल की सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली के खंभों, तारों और अन्य उपकरणों के आसपास अवैध निर्माण से होने वाले हादसों को रोकने के लिए टाटा पावर-डीडीएल ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत कंपनी ने बीते 1 नवंबर तक 4071 से अधिक सुरक्षा नोटिस जारी किए हैं। वहीं, 2374 मामलों में अवैध निर्माण हटाने के लिए अंतरिम आदेश और 733 मामलों में संबंधित भूमि स्वामित्व वाली एजेंसियों को अंतिम आदेश जारी किए गए हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने 100 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय सेवा की शुरुआत की



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन पहलों से सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा।
बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले 18 महीनों से सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। ऐसे समय में जब प्रदूषण एक बड़ी चिंता बन गया है, सरकार निवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है।
उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब हर जगह प्रदूषण पर चर्चा हो रही है, दिल्ली सरकार पिछले 18 महीनों से शहर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है और लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रही है। आज, हमने दिल्ली के परिवहन नेटवर्क में 100 और बसें शामिल की हैं।'
उन्होंने आगे कहा, 'ये बसें न केवल निवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाएंगी, बल्कि उनकी सुरक्षा भी बढ़ाएंगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाएंगी। हम लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिसके लिए हम सब्सिडी दे रहे हैं और पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन (इंसेंटिव) दे रहे हैं। दिल्ली ने 15,000 करोड़ रुपए के बजट के साथ एक बड़ी ईवी नीति लागू की है, जो देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी नीति है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि सरकारी तंत्र इस नीति को पूरी तरह से लागू करे। वर्तमान में दिल्ली में 7,088 बसें चल रही हैं, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। इनमें से लगभग 5,400 बसें इलेक्ट्रिक हैं, जो देश के किसी भी राज्य में इलेक्ट्रिक बसों का सबसे बड़ा फ्लीट है।'
मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण कम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'नवंबर के इस महीने में दिल्ली के मौसम और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में लगातार सुधार हो रहा है। यह पर्यावरण के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए जनता और सरकार के मिलकर काम करने का परिणाम है। सरकार नियमों को लागू करने को लेकर पूरी तरह दृढ़ है।
सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि 2028 के अंत तक दिल्ली में 14,000 बसें दे पाए। वो सभी की सभी इलेक्ट्रिक होंगी। अंतरराज्यीय बसों की बात करें तो आज हमने हापुड़ और दिल्ली के बीच एक ईवी बस सेवा शुरू की है। बहुत से लोग रोजाना दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न शहरों के बीच यात्रा करते हैं, इसलिए हमारे प्रशासन ने ये सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह पहल की है। इसके अलावा, हम जल्द ही दिल्ली को बिहार से जोड़ने वाली बस सेवाएं भी शुरू करेंगे।'
इसके पहले दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा, 'हम अपनी इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और सफल कदम उठा रहे हैं, जिसमें 100 और बसें जल्द ही चालू हो जाएंगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि हम सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देंगे। हम 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' तक इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का विस्तार करने के लिए भी काम कर रहे हैं।'
सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को लेकर पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए पंकज कुमार सिंह ने कहा, 'पिछली सरकार ने कनेक्टिविटी को रोक दिया था, चाहे वह इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए हो या महिलाओं के लिए बसों के जरिए। परिवहन व्यवस्था की हालत बहुत खराब थी। अब, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम दिल्ली और हापुड़ और करनाल और पानीपत के बीच प्रदूषण मुक्त बस सेवाओं की व्यवस्था कर रहे हैं। हमें इसे लेकर अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है।'

दिल्ली में 100 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू, मंत्री पंकज बोले- 'लोगों को मिलेगी बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी'



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत और दिल्ली-हापुड़ इंटरस्टेट इलेक्ट्रिक बस सेवा, राष्ट्रीय राजधानी के पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को बढ़ाने और क्लीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा, 'हम अपनी इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और सफल कदम उठा रहे हैं, जिसमें 100 और बसें शामिल हो रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि हम सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देंगे। हम इलेक्ट्रिक बस सेवाओं को 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' तक पहुंचाने के लिए भी काम कर रहे हैं।' इस दौरान, उन्होंने सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को लेकर पिछली सरकार पर निशाना साधा। पंकज सिंह ने आरोप लगाया कि कनेक्टिविटी को नजरअंदाज किया गया, जिससे इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और महिलाओं के लिए सुविधाओं, दोनों पर बुरा असर पड़ा।
उन्होंने कहा, 'पिछली सरकार ने कनेक्टिविटी को रोक दिया था, चाहे वह इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए हो या महिलाओं के लिए बसों के जरिए। परिवहन की स्थिति बहुत खराब थी। अब, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम दिल्ली और हापुड़, तथा करनाल और पानीपत के बीच क्लीन बस सेवाओं की व्यवस्था कर रहे हैं। हमें इसे लेकर अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है।'
मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार दिल्ली की सड़कों पर चलने वाली बसों की संख्या बढ़ाना चाहती है, जिसमें प्रदूषण न फैलाने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि सड़कों पर ज्यादा बसें चलें और बड़ी संख्या में ऐसी बसें हों, जो प्रदूषण न फैलाएं। इसीलिए हम दिल्ली में कनेक्टिविटी का विस्तार कर रहे हैं।'

पुष्प विहार वार्ड से भाजपा पार्षद निर्वाचित, आप ने हाई कोर्ट में दी चुनौती



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पुष्प विहार वार्ड से राज्य चुनाव आयोग ने भाजपा प्रत्याशी को निर्वाचित घोषित कर दिया है। इस फैसले से नगर निगम के दक्षिण जोन में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने आयोग के निर्णय को हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिस पर सुनवाई होनी है। आयोग ने निर्वाचन की सूचना दिल्ली नगर निगम को भेज दी है। सूत्रों के अनुसार, पार्षद के शपथ ग्रहण के लिए महापौर निगम सदन की बैठक बुला सकते हैं। शपथ लेने के बाद वह दक्षिण जोन की बैठकों में हिस्सा ले सकेंगे। हालांकि, इस प्रक्रिया पर हाई कोर्ट के आदेश का असर पड़ सकता है। पुष्प विहार वार्ड से भाजपा पार्षद के निर्वाचित होने के बाद दक्षिण जोन में भाजपा के पार्षदों की संख्या 10 से बढ़कर 11 हो जाएगी। इससे पहले भाजपा और आम आदमी पार्टी के पास 10-10 पार्षद थे। कांग्रेस के दो पार्षद हैं, जबकि एक सीट पार्षद के निधन के कारण रिक्त है। गौरतलब है कि पिछले चुनाव में दक्षिण जोन के चेयरमैन पद पर भाजपा ने कांग्रेस पार्षदों के समर्थन से जीत दर्ज की थी। अब नए पार्षद के शपथ ग्रहण के बाद जोन की बैठकों और आगामी चुनावों में इसका असर देखने को मिल सकता है। फिलहाल सभी की नजर हाई कोर्ट की सुनवाई पर है।

यमुना के संरक्षण के लिए बनेगी साझा कार्ययोजना

- उपराज्यपाल ने किया 'यमुना संवाद' सम्मेलन का उद्घाटन, आठ देशों के नदी संरक्षण मॉडल और वाराणसी के गंगा घाटों के अनुभवों पर हुई चर्चा



नई दिल्ली, एजेंसी।
यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने और उसके बाढ़ क्षेत्र का पारिस्थितिकीय विकास करने के लिए अब विभिन्न विभाग अलग-अलग काम करने के बजाय साझा कार्ययोजना के तहत आगे बढ़ेंगे। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को बांसेरा पार्क में 'यमुना संवाद' सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में आठ देशों के नदी संरक्षण से जुड़े अनुभवों पर चर्चा की गई। इनमें जापान, स्विट्जरलैंड, अमेरिका, नीदरलैंड, डेनमार्क, श्रीलंका, इंडोनेशिया और जर्मनी शामिल हैं।
सम्मेलन में देश-विदेश के 300 से अधिक विशेषज्ञों, अधिकारियों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वाराणसी के गंगा घाटों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए। उपराज्यपाल ने कहा कि यमुना के दीर्घकालिक संरक्षण और विकास के लिए विभिन्न स्तरों पर चल रहे प्रयासों को एक समन्वित ढांचे में लाना जरूरी है। जल संरक्षण और नदियों की सफाई के अभियानों में जनभागीदारी की अहम भूमिका है। जनता की सक्रिय भागीदारी से ऐसे अभियानों के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ती है।
छह प्रमुख विषयों पर बनी सहमति सम्मेलन में यमुना के भविष्य से जुड़े छह प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इनमें सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय, बाढ़ क्षेत्र की योजना और पारिस्थितिकीय सुधार, शहरी जल निकासी एवं सीवरेज प्रबंधन, नदी और लोगों के बीच जुड़ाव, आधुनिक तकनीक एवं शोध तथा संरक्षण के लिए स्थायी वित्तीय व्यवस्था शामिल हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि यमुना की सफाई के लिए टुकड़ों में किए जा रहे प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। सीवरेज प्रबंधन, नालों के पानी का उपचार, प्रदूषण नियंत्रण, भूजल संरक्षण और नदी में पर्यावरणीय प्रवाह बनाए रखने के लिए एकीकृत रणनीति अपनानी होगी।
1700 हेक्टेयर में 13 परियोजनाएं
डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार ने बताया कि यमुना के पुनर्जीवन के लिए व्यापक बाढ़ क्षेत्र सुधार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत वजीराबाद से ओखला बैराज तक नदी के दोनों किनारों पर करीब 1700 हेक्टेयर क्षेत्र में 13 एकीकृत परियोजनाओं पर काम हो रहा है।

तैयार होगी यमुना रिपोर्ट

सम्मेलन के निष्कर्षों के आधार पर 'यमुना रिपोर्ट' तैयार की जाएगी। इसमें नदी के संरक्षण और विकास की प्राथमिकताएं तय करने के साथ विभिन्न एजेंसियों की जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जाएगा। यमुना किनारे घाटों, पर्यावरणीय पगडंडियों और सार्वजनिक स्थलों को विकसित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि लोग नदी से जुड़ सकें और उसके प्राकृतिक स्वरूप को नुकसान न पहुंचे। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की सचिव डी. थारा ने कहा कि यमुना को स्वच्छ कर उसके मूल प्राकृतिक स्वरूप में लौटाना जरूरी है।

गुरुद्वारा मोती बाग साहिब में नए हॉल और पाठी सिंहों के आवास का उद्घाटन



नई दिल्ली (एजेंसी)। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मोती बाग साहिब में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से नवनिर्मित हॉल और पाठी सिंहों के आवास का उद्घाटन कर इन्हें संगत को समर्पित किया गया। इसके साथ ही पुराने हॉल का भी नवीनीकरण कराया गया है। इन सुविधाओं से श्रद्धालुओं को धार्मिक और पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने में सहूलियत मिलेगी। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि संगत की सेवा और गुरुद्वारों के विकास के लिए कमेटी सदैव प्रतिबद्ध है। नए और नवीनीकृत हॉल में 100 से 150 लोगों की भागीदारी वाले कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इससे श्री अखंड पाठ साहिब, सुखमनी साहिब के पाठ और अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पहले एक समय में दो कार्यक्रम होने पर परेशानी होती थी, लेकिन अब दो हॉल उपलब्ध होने से एक साथ अलग-अलग आयोजन किए जा सकेंगे। पाठी सिंहों के लिए आवास की व्यवस्था से गुरबाणी पाठ और धार्मिक सेवा निभाने वालों को भी सुविधा मिलेगी। कालका और काहलों ने निर्माण एवं नवीनीकरण की कार सेवा पूरी करने के लिए बाबा बचन सिंह जी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगत के सहयोग और गुरु साहिब की कृपा से गुरुद्वारों में सुविधाओं का विस्तार संभव हो रहा है। कमेटी भविष्य में भी गुरुद्वारों के विकास और संगत की बेहतर सुविधाओं के लिए प्रयास जारी रखेगी।

चीनी राजनयिक को डॉ. जौली ने भेंट की राम मंदिर की प्रतिकृति



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय जौली ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास के राजनीतिक काउंसलर ली लियांगहुआ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने ली लियांगहुआ को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति सप्रेम भेंट की। डॉ. जौली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अक्टूबर 2024 में कजान, अगस्त 2025 में तियानजिन तथा सितंबर 2026 में नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय बैठकों का उल्लेख किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. जौली ने चीनी राजनयिक को केसरिया अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया तथा 156 देशों की नदियों और समुद्रों के जल से श्रीराम मंदिर में हुए जलाभिषेक पर आधारित रंगीन पुस्तिका भी भेंट की। उन्होंने कहा कि भारत और चीन की प्राचीन सभ्यतागत विरासत दोनों देशों के बीच मैत्री, संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का आधार बन सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में दिल्ली स्टडी ग्रुप ने श्रीलंका उच्चायोग में 'राजनयिकों संग दीपावली' कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें 73 देशों के 140 राजनयिकों ने भाग लेकर दीप प्रज्वलित किए थे।

दिल्ली : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग की कोशिश को पुलिस ने किया नाकाम, राशिद केबलवाला गैंग से जुड़े 3 आरोपी पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी।
दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग को अंजाम देने की कोशिश नाकाम कर दी है। पुलिस ने हथियारों के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा है।
मिली जानकारी के अनुसार, राशिद केबलवाला गैंग नेटवर्क से जुड़े सदस्य इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग करने पहुंचे थे। हालांकि वारदात को अंजाम देने से पहले पुलिस ने दो हथियारबंद संदिग्धों और एक नाबालिग को पकड़ लिया। हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने आरोपियों के पास से 5 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
सूत्रों के मुताबिक, राशिद केबलवाला ने कथित तौर पर इन्फ्लुएंसर की हत्या का निर्देश दिया था। पकड़े गए आरोपियों ने हथियारों के साथ वीडियो भी अपने हैंडलर को भेजा था।
इसके पहले उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि को यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 50 हजार के इनामी बदमाश नसीम उर्फ रिजवान को ढेर कर दिया था। नसीम डी-कंपनी यानी दाऊद गिरोह का सदस्य बताया जा रहा था। वह गाजियाबाद के थाना लोनी में दर्ज हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित चल रहा था। इसके अलावा दिल्ली में दर्ज हत्या के दो मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी।
पुलिस के अनुसार, नसीम के खिलाफ दोनों राज्यों में हत्या के चार मुकदमों सहित हत्या के प्रयास, रंगदारी (एक्सटॉर्शन) और अन्य गंभीर आपराधिक धाराओं में 26 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। नसीम का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हत्या की साजिशों से भी जुड़ चुका था। बताया जाता है कि उसने छोटा शकील के कहने पर पाकिस्तानी-कैनेडियन मूल के तारिक फतह और तिहाड़ जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की हत्या की सुपारी ली थी।
नसीम पर दिल्ली के खजूरी खास इलाके में



पिछले छह महीनों के दौरान दो सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देने का भी आरोप था। इन घटनाओं के बाद दिल्ली पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। हत्या, सुपारी किलिंग, रंगदारी और अन्य संगीन अपराधों में उसकी कथित संलिप्तता के चलते वह पुलिस के लिए लंबे समय से चुनौती बना हुआ था।

आज युवाओं के चेहरों पर टैबलेट प्राप्त होने की जो प्रसन्नता दिखायी दे रही, वह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीकः मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

युवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योजना के द्वितीय चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लखनऊ के बाद गोरखपुर में इस चरण का दूसरा ब?ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यहाँ 50,000 से अधिक युवाओं को टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजना के प्रथम चरण के प्रभाव का अध्ययन आई0आई0एम0 लखनऊ की टीम के माध्यम से कराया गया। अध्ययन में सामने आया कि इस पहल का लाभ लगभग 03 करो? लोगों तक पहुँचा। प्रथम चरण में टैबलेट एवं स्मार्टफोन प्राप्त करने वाले 60 लाख युवाओं में से 46 प्रतिशत ऐसे परिवारों से थे, जिन्होंने पहली बार कोई डिजिटल डिवाइस देखा था। अध्ययन में विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, कक्षा में सहभागिता, करियर सम्बन्धी आकांक्षाओं तथा नेतृत्व क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव भी सामने आया। इन डिजिटल उपकरणों से केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि उनके परिवार भी लाभान्वित हुए हैं। ई-गवर्नेंस, डिजिटल पेमेण्ट और हेल्थ सर्विस जैसी सुविधाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई है। इस प्रकार 60 लाख युवाओं के माध्यम से लगभग 03 करो? लोगों तक डिजिटल सशक्तीकरण का लाभ पहुँचा है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज वितरित किया जा रहा टैबलेट युवाओं के लिए चलता-फिरता विश्वविद्यालय है। इसके लिए इन्फोसिस के साथ टाई-अप किया गया है और इसमें 18 हजार से अधिक फ्री कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं। टैबलेट में 'युवा साथी ऐप' भी उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से युवाओं को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बी0ए0, बी0एस0सी0, एम0एस0सी0, एम0ए0, बीटेक अथवा कोई अन्य डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करने वाले युवाओं को प?ाई पूरी करने के बाद रोजगार एवं कैम्पस सिलेक्शन की चिंता रहती है। युवा साथी ऐप के माध्यम से उन्हें अपने लिए उपयोगी योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी। इसमें स्कॉलरशिप, इण्टर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित युवाओं से जु?ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।मुख्यमंत्री जी ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाला प्रत्येक कण्टेण्ट सही नहीं होता। रील लाइफ और रियल लाइफ में अन्तर होता है। किसी भी सामग्री को प?ने, देखने अथवा साझा करने से पहले उसका फैक्ट चेक अवश्य करें। अपनी डिजिटल सिक्योरिटी का भी ध्यान रखें। तकनीक आवश्यक है, लेकिन तकनीक को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। हमें तकनीक का उपयोग करना है, तकनीक को हमारा उपयोग नहीं करने देना है।युवा टैबलेट के माध्यम से केवल फीड देखने में समय व्यतीत न करें, बल्कि फ्यूचर स्किल्स विकसित करें। युवा फीड नहीं, बल्कि फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने के लिए 30 सेकण्ड दीजिए, लेकिन अपनी स्किलिंग के लिए 30 मिनट से लेकर 03 घण्टे तक का समय अवश्य निकालिये। जिस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, उसकी पूरी जानकारी प्राप्त कर स्वयं को निरन्तर अपडेट रखें। टैबलेट का उपयोग केवल प?ाई तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से वह अपनी डिजिटल सुरक्षा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, ऑनलाइन पंजीकरण तथा भविष्य की आवश्यकताओं से सम्बन्धित अनेक कार्य कर सकते हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में युवाओं के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश में न पर्याप्त रोजगार के अवसर थे, न उद्योगों का अनुकूल वातावरण और न ही निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का भरोसा। परीक्षाओं में नकल माफिया और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के कारण युवाओं के भविष्य के साथ खिलवा? होता था। परीक्षा कोई और देता था और नियुक्ति पत्र कोई दूसरा प्राप्त कर लेता था। नौकरी मिलने के बाद भी कई बार कोर्ट के स्टे के कारण नियुक्तियां निरस्त हो जाती थीं।वर्तमान सरकार ने निष्पक्ष चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की है। वर्ष 2017 में ही सभी भर्ती बोर्डों और आयोगों को स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवा? करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। भर्ती में नकल, पेपर लीक अथवा अनियमितता करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के लिए कानून बनाया गया, जिसमें आजीवन कारावास, 01 करो? रुपये तक के जुर्माने तथा उनकी सम्पत्ति जब्त करने का प्राविधान किया गया।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने युवाओं को पैसे और रिश्तेदारी के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और टैलेण्ट के आधार पर नौकरी देने की व्यवस्था की है। पिछले सा? नौ वर्षों में लगभग पौने दस लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियाँ प्रदान की गई हैं। हाल के दिनों में विभिन्न विभागों में वितरित नियुक्ति पत्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 25 अगस्त, 2026 को कृषि विभाग के 3,572 युवाओं को, 19 सितम्बर, 2026 को स्वास्थ्य विभाग के 818 युवाओं को, 22 सितम्बर, 2026 को शिक्षा विभाग के 3,568 अभ्यर्थियों को, 28 सितम्बर, 2026 को पंचायतीराज विभाग के 1,375 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसी प्रकार 08 अक्टूबर, 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से चयनित 470 कुशल खिलाड़ियों को, 05 नवम्बर, 2026 को 28 फॉरेंसिक साइंटिस्ट को, 06 नवम्बर, 2026 को 4,543 सब-इंस्पेक्टरों को, 11 नवम्बर, 2026 को राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र दिए गए।इन नियुक्तियों के साथ 16 हजार से अधिक युवाओं को हाल के कार्यक्रमों में सरकारी नियुक्तियाँ प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त 8,000 लेखपालों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले एक सप्ताह के भीतर उन्हें भी नियुक्ति पत्र देने के लिए ब? कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और सत्यापन की कार्यवाही अन्तिम चरण में है। प्रयास है कि नवम्बर के अन्त तक अथवा दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं। साथ ही, 42 हजार से अधिक होमगार्डों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। उन्हें भी नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए ब?ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आगामी 26 जनवरी तक औसतन प्रत्येक पाँच से सात दिन में एक ब?ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार का संकल्प है कि युवाओं को उनकी योग्यता और प्रतिभा के आधार पर रोजगार मिले, न कि पैसे और रिश्तेदारी के आधार पर।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्षों में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखा है। पहले प्रदेश में अराजकता, दंगे, कर्फ्यू और आगजनी की घटनाएँ होती थीं। बेटियों की सुरक्षा खतरे में थी और व्यापारी भी स्वयं को असुरक्षित महसूस करते थे। आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा है और न ही अराजकता। उत्तर प्रदेश अब उपद्रव से उत्सव की ओर ब? चुका है। आज अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा में 50 से 55 लाख श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरे प्रदेश में 67 हजार दुर्गा प्रतिमाएँ स्थापित की गईं, लेकिन कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। विजयादशमी पर गाँव-गाँव में यज्ञ और रामलीला के आयोजन हुए। भव्य एवं दिव्य दीपावली आज उत्तर प्रदेश की नई पहचान बन रही है। यह प्रदेश में सुरक्षा, विश्वास और उत्सवपूर्ण वातावरण का परिणाम है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बना, तो निवेश आया। बेटियाँ स्कूल, कॉलेज और अपने कार्यस्थलों तक सुरक्षित पहुँच रही हैं। व्यापारी और प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यही बदले हुए उत्तर प्रदेश की पहचान है। उन्होंने एच0सी0एल0 का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1976 में उत्तर प्रदेश में कम्प्यूटर निर्माण की पहली इकाई स्थापित हुई थी, लेकिन लम्बे समय तक उसका अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। वर्ष 2017 में यहाँ एच0सी0एल0 में लगभग 100 लोग काम कर रहे थे। आज लखनऊ स्थित एच0सी0एल0 टेक सेण्टर में लगभग 18 हजार लोग कार्यरत हैं।एच0सी0एल0 ने फॉक्सकॉन के साथ मिलकर सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में कार्य आगे ब?ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप भारत में सेमीकण्डक्टर मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी इस क्षेत्र में ब? निवेश की सम्भावनाएँ विकसित हो रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सेमीकण्डक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका है और इस क्षेत्र में प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे।एच0सी0एल0 टेक सेण्टर में कार्यरत 18 हजार युवाओं में ब?ी संख्या में बेटियाँ भी शामिल हैं। वह तीन शिफ्टों में कार्य कर रही हैं। वह नाइट शिफ्ट में भी कार्य करती हैं और रात में दो बजे छुट्टी होने के बाद स्वयं अपने वाहन से घर जाती हैं। युवतियों का सुरक्षित महसूस करना प्रदेश में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा में आए बदलाव का प्रमाण है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर में भी फिल्मों की शूटिंग हो रही है।

झोपड़ी में मिला लापता 19 वर्षीय युवक का शव, हत्या की आशंका; पुलिस कर रही जांच

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार सुबह झोपड़ी के अंदर 19 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक रविवार देर रात से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तभी घर से करीब 200 मीटर दूर सामुदायिक शौचालय के पास झोपड़ी में उसका शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। घटना चांदा क्षेत्र के घूरीपुर गांव की है। मृतक की पहचान गांव निवासी अमन गौतम (19) पुत्र रामचरन के रूप में हुई है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर और चांदा थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों के अनुसार, अमन रविवार रात करीब 11 बजे घर से लापता हो गया था। देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह तलाश करते हुए परिजन सामुदायिक शौचालय के पास पहुंचे तो झोपड़ी में उसका शव पड़ा मिला। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। अमन दो भाइयों में छोटा था। उसके पिता रामचरन और बड़ा भाई अभिषेक मुंबई में रहते हैं। बेटे की मौत की खबर से मां जानकी और बहन लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल है।

एनएच-9 पर अनियंत्रित ट्रक बना काल, बाइक सवार चार को रौंदा

मसूरी (गाजियाबाद)। वेव सिटी क्षेत्रांतर्गत नेशनल हाइवे-9 पर सुंदरदीप कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को कुचल दिया। इस भीषण सड़क हादसे में बाइक पर सवार महिला और उनके 9 महीने के दूधमुंहे बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मृतका के पति और दूसरा मासूम बेटा गम्भीर रूप से घायल हो गए।दोनों का अस्पताल में चल रहा है इलाज। मिली जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले के पिलखुवा थाना क्षेत्र के ग्राम सिखै?ा निवासी असलम (33) पुत्र अली हसन अपनी पत्नी गुलशन (32), 9 माह के बेटे अरसलान और दूसरे बेटे रियान (4) को लेकर 14 नवंबर दोपहर ढाई बजे अपनी स्प्लेंडर बाइक से कनौजा मुरादनगर में अपनी पत्नी के मौसेरे भाई इसरार की शादी में शामिल होने जा रहे थे। जब वे व परिवार एनएच नौ पर हापुड़ से गाजियाबाद की तरफ जाने वाले हाइवे पर सुंदरदीप कॉलेज के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार महिंद्रा कैंटर के चालक ने लापरवाही और तेजी से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक पर पीछे बैठी गुलशन और 9 महीने का बच्चा अरसलान सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, वहीं, दूसरा बेटा रियान का बायां पैर कटकर शरीर से अलग हो गया और चालक असलम भी गम्भीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मोटरसाइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मृतक के चचेरे भाई इसरार पुत्र इकबाल निवासी ग्राम सिखै?ा पिलखुआ हापु? की शिकायत के आधार पर वेव सिटी थाने में बीएनएस की धारा 281, 106(1), 125(बी), और 324(4) में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अज्ञात ट्रक चालक की तलाश कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

NAME CHANGE

I, SUNIL S/O BACHCHU SINGH R/O HOUSE NO-70,GALI NO-2,NEAR RAJENDRA PARK,VISHNU GARDEN,GURGAON,HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SUNIL KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, JC-443596M Rank-NB SUB Name-JEYAGANESHAN S legal father of J NITHIN KRISHNA R/O VILL-CHINNAPULIYAMPATTI, PO-ARUPPUKOTTAI, TEHSIL- ARUPPUKOTTAI, DIST-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626101, have changed my minor son's name from J NITHIN KRISHNA to NITHIN KRISHNA J for all future purposes vide affidavit dated 20/11/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DILEEP KUMAR CHAUHAN, S/o BHUTI CHAUHAN, R/o HOUSE NO-273, BHATTAJAT URF PREMNAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009, have changed my name to DILIP CHAUHAN" for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MANOJ KUMAR GOEL, S/o BAJRANG LAL GOYAL, R/o FLAT NO. 1603, TOWER B-2, CLEO COUNTY, SECTOR-121, PLOT NO. GH-05, NOIDA, DISTT. GAUTAM BUDH NAGAR, U.P. - 201301, have changed my name to MANOJ GOYAL" for all future purposes.

NAME CHANGE

I, INDU DEVI, W/o DILIP CHAUHAN, R/o HOUSE NO-273, BHATTAJAT URF PREMNAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009, have changed my name to INDU CHAUHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Saqib S/O Ghayasuddin R/O House No- 2132 MP Street Pataudi House Darya Ganj Delhi - 110002 Have Changed My Name To Mohd Saqib Permanentlty

NAME CHANGE

SANJUKTA SEN MAHAPATRO W/o SHIV KUMAR MAHAPATRO R/o S3 001, EMAAR PALM DRIVE BADSHAHPUR SECTOR-66 GURGAON HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY NAME TO SANJUKTA SEN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MOHD MAQBUL S/O HASINUDDIN R/o House No.632, 5th Floor, Rang Mahal, Darya Ganj, Chandni Mahal, Central Delhi-110002 have changed the name of my minor daughter AINA, aged 15 years and she shall hereafter be known as AINA MAQBUL

NAME CHANGE

I MALASHRI legally wife of Army No - 2810551M, Rank - Hav, Name - Bhosale Sagar Yallapa, Presently Residing At - Halkarni, Post-Halkarni, Teh - Gadhinglaj, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra Pin - 416506 have changed my name from MALASHRI to MALASHRI SAGAR BHOSALE for all future purposes, Vide affidavit dated 20/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MONIKA W/o MOHIT CHOUDHARY, R/o 3F-252 Ground Floor, Sector-3, Vaishali, I.E Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, have changed the name of my minor Daughter UAANI CHAUDHARY, aged about 13 years and she shall hereafter be known as VAANI CHOUDHARY.

NAME CHANGE

It is for general information that I Saniya Saifi D/O Mohd Shaukin, R/o 31, Everest Khand Panchvati, GT Road, Lohar Pura Masjid, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, declare that name of my father has been wrongly written as MOHMAD SHAUKIN in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is Mohd Shaukin, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mohammad Gulzar, S/o Idrees R/o E-146, 4th Floor, Street No. 3, Ambedkar Park, West Vinod Nagar, Mandawali Fazalpur, Delhi – 110092. I have changed my name to Guljar

NAME CHANGE

I, GEETA MEHRA wife of JC-336043Y, Rank-NB/SUB, Name- HARISH SAWANT, residing at ASHOK NAGAR, SHIVAJI COLONY, PO-MILAP NAGAR, ROORKEE, C-241, DHANDHERA, HARIDWAR, UTTRAKHAND-247666, have changed my name from GEETA MEHRA to GEETA SAWANT for all future purposes vide Affidavit Dated 20/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DEVI SINGH AHIRWAR S/o DAYARAM AHIRWAR R/o Gram-Bamhori Beeka, Sagar, Madhya Pradesh-470228, have changed the name of my minor son NITIN NAITIK AHIRWAR alias NAITIK AHIRWAR, aged 14 years and he shall hereafter be known as NAITIK AHIRWAR.

NAME CHANGE

I MOHAMMED SHAED S/O MUSTEJAB AHMED RESIDING AT HOUSE NO 2601 S/F KUCHA CHELAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002, HAVE CHANGED MY NAME TO GIVEN NAME IS MOHAMMAD AND SURNAME IS SHAED FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, Neha Mishra Tripathi W/O Abhilash Tripathi R/Oc-3/14,3rd Floor Himalaya Pride,techzone 4,noida, Maharishi Nagar, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201304 Have Changed My Name to Neha Mishra for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, PRAVEEN GUPTA R/O H NO-23 PARWANA ROAD BALDEV PARK KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to PRAVEEN KUMAR GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RAMESH CHAND PANCHAL father of No-14841987H, Rank-HAV, Name- PANKAJ KUMAR PANCHAL residing at WARD NO-07, BAJAR No-02, VPO-RAM GANJ MANDI, DIST-KOTA, RAJASTHAN-326519, have changed my name from RAMESH CHAND PANCHAL to RAMESH CHAND for all future purposes vide Affidavit Dated 20/11/2026 before Notary Public, Delhi.

(BEDAKHAL)

I, HARJEET SINGH S/O BOOTA RAM DECLARE AS UNDER THAT I DISOWNED MY DAUGHTER PRABH SIMRAN KAUR FROM MY ALL MOVABLE/ IMMOVABLE/ PATRICK PROPERTIES/ ASSETS FOR HER WRONG BEHAVIOUR. I SHALL NOT BE HELD RESPONSIBLE FOR ANY KIND OF ACTS DONE BY HER IN MONEY OR TRANSACTIONS AND POLICE CASES AND CRIMINAL ACTIVITY ILLEGAL/LEGAL AND PROPERTY PURPOSES IN THE FUTURE. THAT SHE DEBARRED FROM ENTERING MY PREMISES SITUATED AT H NO-13/157, BLOCK-13, GEETA COLONY, GANDHI NAGAR, DELHI-110031.

NAME CHANGE

I Army No - 2810551M, Rank - Hav, Name - Bhosale Sagar Yallapa, legally father of AAROHI Presently Residing At - Halkarni, Post-Halkarni, Teh - Gadhinglaj, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra Pin - 416506 have changed my minor daughter name from AAROHI to AAROHI SAGAR BHOSALE for all future purposes, Vide affidavit dated 20/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Army No - 2810551M, Rank - Hav, Name - Bhosale Sagar Yallapa, legally father of ISHWARI Presently Residing At - Halkarni, Post-Halkarni, Teh - Gadhinglaj, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra Pin - 416506 have changed my minor daughter name from ISHWARI to ISHWARI SAGAR BHOSALE for all future purposes, Vide affidavit dated 20/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I NIVA DEVI legally mother of Army no -15209015A, Rank - Hav (opr), Name - RAJESH KUMAR, Presently Residing At - Bareo Post - Nemdarganj, Teh - Rajoli, Dist - Nawada, State- Bihar, Pin - 805121 have changed my name from NIVA DEVI to SUDHA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1967 instead of my correct date of birth as 03/05/1967 Vide Affidavit dated 20/11/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sataveer S/O: Rati Ram, R/O nekpur sabit nagar, Raoli Kalan, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201206, have changed my name and shall hereafter be known as SATYABIR SINGH.

NAME CHANGE

I hitherto known as SEEMA MOHTA W/O RAJ KUMAR R/O House no 389, Indra Inclave, Loni Dehat, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh 201102, have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH DEVI.

NAME CHANGE

I,TABASSUM MANZOOR W/o MOHAMMAD MANZOOR R/o HOUSE NO-300/2, OKHLA VILLAGE, JAMIA NAGAR, SOUTH EAST DELHI, DELHI-110025, have changed my name from TABBASSUM BEGUM to TABASSUM MANZOOR for all purpose in future.

LOST & FOUND

I,mrs. Annapoorny bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

Date of Birth Change

I Shinde Mankarna Nanada legally mother of Army no - 2811531L, Rank - SEP, Name - Shinde Arjun Ananda, Presently Residing At - Jategaon, Post- Jategaon Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, State- Maharastra, Pin - 423106, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 04/05/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 19/11/2026 before Notary Public Delhi.

Date of Birth Change

I SHINDE ANANDA NARAYAN legally father of Army no - 2811531L, Rank - SEP, Name - Shinde Arjun Ananda, Presently Residing At - Jategaon, Post-Jategaon Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, State- Maharastra, Pin - 423106, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 06/02/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 19/11/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री राम प्रकाश, (2) श्री बनवारी, (3) श्री राम किशोर एवं (4) श्री राधे श्याम वरेथा, संपत्ति संख्या 590, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, खसरा संख्या 1668 के भाग, वार्ड संख्या 3, महरौली, नई दिल्ली स्थित संपत्ति को श्री अनिल शर्मा, श्री कमल शर्मा एवं श्री बिमल कुमार से खरीदने का इरादा रखते हैं। प्रारंभ में उक्त संपूर्ण संपत्ति श्री नंद किशोर के स्वामित्व में थी, जिन्होंने दिनांक 21.09.1998 को निष्पादित नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), नोटरीकृत एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री अनिल शर्मा, श्री कमल शर्मा एवं श्री बिमल कुमार के पक्ष में हस्तांतरित की थी। उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के अनुसार, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, देनदारियों, प्रभारों, बंधकों एवं अन्य तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®vwashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

General public is informed that my client SHAHINA PARVEEN C/O MOHD YASEEN, R/O H. NO. 2386, 3RD FLOOR, KOTHI NAWAB LOHARU, BALLIMARAN, CHASHMA BUILDING, DELHI-110006 has severed all relationship with her son namely MOHD SALMAN and his family due to their mis-behaviour and here by Debar and Disown them from all her moveable and immoveable properties absolutely and forever. Anybody dealing with them shall do so at there own cost and risk.

ABHINAY GUPTA Advocate
Chandrika Hotel, 4/9, Asaf Ali Road, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Notice is given on behalf of Mr. Deepak Nandwani to inform to the public at large that Mr. Deepak Nandwani is purchasing the Property No. 5/37-A, measuring 100 Sq. Yards, Khasra No. 768min, Situated at Village Chandrawali @ Shahdara in the Abadi of Block-5, Patel Gali, Vishwas Nahar, Shahdara, Delhi-110032 from (1) Mr. Balbir, (2) Mr. Sukhbir & (3) Mr. Mukesh Kumar all Ss/o Late Mr. Ram Saran who became owners vide Relinquishment Deed Dated 03.08.2010 (Doc. No.15073). Now, the same property will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Bhajanpura, Delhi. That, Original Sale Deed Dated 10.09.1963 executed by M/s Ram Sarvaria & Sons (P) Ltd. through its secretary Mr. Ved Nath Sarvaria in favour of Mr. Chhitar & Mr. Ram Saran in respect of the entire property, as Doc. No. 8330, Book No. 01, Volume No. 986, On Pages No. 49-50, On Dated 10.09.1963, SRO-New Delhi has lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Satish Gupta is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire Second floor without roof rights Part of Built-up Property bearing no. WZ-500A/1, area measuring 50 sq. yds. Out of Khasra no. 736, Situated in the area of Village Basai Darapur Delhi. , Our client acquired the said property by virtue of Will dated 01.10.2001 vide Doc no. 32340 Book no.03 SR- Delhi. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Surviving member Certifictae of Late Mrs. Ram Shree Gupta & (2) Probate order of Will dated 01.10.2001., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property, sold to be Mrs. Vidayavati Devi., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

PUBLIC NOTICE

Notice is given on behalf of Mr. Mayur Vaid to inform to the public at large that Mr. Mayur Vaid is purchasing the Property No. WZ-5A, Ground Floor, Without Roof Rights, Southern Side, measuring 37.5 Sq. Yds, on Plot No. 162, Khasra No. 3, Situated at Village Nangli Jalib, Colony Krishna Park, Gali No. 6, New Delhi-110018 from Mr. Vipan Kumar S/o Late Mr. Amar Nath who became owner vide Relinquishment Deed dated 15.07.2009 (Doc. No.11542) read with Partition Deed dated 20.07.2009 (Doc. No.11773). Now, the same property will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Kapashera, Delhi. That, Mr. Vipan Kumar became the owner of the property after the death of the Mr. Amar Nath died on 18.10.1989 and as per the Relinquishment Deed dated 15.07.2009 his wife Mrs. Shanti Devi W/o Late Mr. Amar Nath was missing from since 16.08.1999. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता हे कि मेरे मुवक्किल सुल्तान सिंह पुत्र हुक्म सिंह पत्नी गीता सिंह निवासी पता डी-8ए, गली न0-29, भरत विहार, उत्तम नगर, पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110059 एवं ग्राम सेपंऊ, तहसील सैंपऊ, जिला धोलपुर, भरतपुर रोड नियर जय बजरंग फर्नीचर, राजस्थान का स्थायी निवासी है ने अपने पुत्र मनोज सिंह परमार, उम्र 29 साल पुत्रवधु आस्था, उम्र 26 साल को उनके गलत आचरण, दुर्व्यहार, लड़ाई-झगड़ा करने व कंट्रोल से बाहर होने के कारण अपनी सम्पूर्ण चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे सारे सबंध विच्छेद कर लिया है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के उपरोक्त पुत्र एंव पुत्रवधु दोनो से किसी प्रकार का कोई लेन-देन तथा व्यवहार करेगा भविष्य में वह व्यक्ति स्वंय जिम्मेदार होगा मेरे मुवक्किल सुलतान सिंह एंव मुवक्किल की पत्नी गीता सिंह किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार एंव उत्तरदायी नही होंगे।

रजनीकांत मिश्रा, अधिवक्ता
हॉल संख्या-4, सीट संख्या-9,
अधिवक्ता कक्ष परिसर, जिला न्यायालय,
द्वारका सेक्टर 10, नई दिल्ली-110075
फोन-09958462082

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राम शंकर विश्वकर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री राम अधार विश्वकर्मा, निवासी 7-ए, मिशरपुर, पोस्ट गुडम्बा, कुर्सी रोड, लखनऊ-226026, निम्नलिखित संपत्ति के स्वामी हैं- आवासीय प्लॉट संख्या 7ए (मकान संख्या 660-एम/पी. संख्या 07ए, शहीद भगत सिंह-II), क्षेत्रफल 896 वर्ग फुट अर्थात 83.27 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 265/8, 265/10, 265/11 एवं 265/12 का भाग, स्थित ग्राम मिशरपुर, परगना मोहना, तहसील बख्श

संक्षिप्त डायरी

आकर्षक नंबरों की नीलामी के नतीजे जारी

एजेंसी

नोएडा। निजी वाहनों की सीरीज यूपी16 जीबी के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की नीलामी के नतीजे गुरुवार को जारी हो गए। वाहन मालिक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर नीलामी के नतीजे देख सकते हैं। परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी नतीजों के मुताबिक नीलामी में 27 नंबर बिके हैं। इसमें एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ समेत अन्य नंबर शामिल हैं। नीलामी के बाद बचे नंबरों के लिए शुक्रवार से फिर से पंजीकरण शुरू होंगे। चार दिन पंजीकरण की प्रक्रिया चलेगी और उसके अगले तीन दिन तक नंबरों की बोली लगेगी। तीसरे दिन शाम छह बजे परिवहन विभाग की वेबसाइट पर नीलामी के नतीजे जारी हो जाएंगे।इसके बाद बचे नंबर पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर बुक होंगे। जो व्यक्ति पहले बुकिंग कर लेगा, उसके वाहन के लिए नंबर को आवंटित कर दिया जाएगा।

फेफड़े की गंभीर बीमारी के लिए क्लीनिक शुरू

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल ने फेफड़े की गंभीर बीमारी के मरीजों के लिए लंग फेलियर क्लीनिक की शुरूआत गुरुवार को की। क्लीनिक सोमवार से शनिवार तक दोपहर 3:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक खुला रहेगा। क्लीनिक में पल्मोनॉजी विभाग के वरिष्ठ डॉ. राहुल शर्मा और वरिष्ठ डॉ. गोविनी बालासुब्रमणि की देखरेख में मरीजों का इलाज किया जाएगा। मरीजों की देखरेख में काम करेंगे।

राष्ट्रीय विद्यालय एथलेटिक्स में यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगी जिले की मोनिका

एजेंसी

नोएडा। जिले महिला एथलीट मोनिका 70वीं राष्ट्रीय विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भोपाल पहुंच चुकी हैं। प्रतियोगिता में एथलीट 400 मीटर बाधा दौड़ में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।स्कूल गेम्स ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से मध्यप्रदेश के भोपाल में 21 से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय स्कूल एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनके बीच 400 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने के लिए एथलीट मोनिका गुरुवार को भोपाल पहुंच चुकी हैं। शुक्रवार को पंजीकरण के बाद 21 नवंबर से अपनी रफ्तार का प्रदर्शन करेंगी। दादरी क्षेत्र के भोगपुर गांव निवासी मोनिका दुजाना गांव स्थित श्री गांधी इंटर कॉलेज की छात्रा हैं और प्रशिक्षक सुनील कुमार नागर की निगरानी में एथलेटिक्स के गुर सीखती हैं। खिलाड़ी ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमीक्रॉन-3 स्थित द एथलेटिक्स फ्यूचर अकादमी में भी कोच सोनू कुमार, मुन्नी नागर से प्रशिक्षण लेती हैं। प्रशिक्षक सुनील नागर ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए एथलीट मोनिका का चयन प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में आयोजित 70वीं प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के आधार पर हुआ है। 100 मीटर बाधा दौड़ में भी उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया था।

2200 से अधिक पुराने व्यावसायिक वाहन कबाड़ केंद्रों में पहुंचे

एजेंसी

नोएडा। जिले में पंजीकृत 2200 से अधिक वाहन परिवर्तन योजना के तहत कबाड़ केंद्रों में पहुंचे हैं। यहां पर दो अधिकृत वाहन कबाड़ केंद्र हैं, जहां पर इन गाड़ियों को कटवाया गया है। एआरटीओ नंदकुमार ने कहा कि मुख्यालय की ओर से 9400 से अधिक पुराने व्यवसायिक वाहनों को कबाड़ में कटवाने और गाड़ी मालिक को परिवर्तन योजना का लाभ दिलाने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के बारे में वाहन मालिकों को जागरुक किया जा रहा है। यहीं वजह है कि लक्ष्य के मुकाबले 20 फीसदी से अधिक वाहनों को उनके मालिकों ने कबाड़ केंद्रों में कटवा दिया है। परिवर्तन योजना बीएस-4 या उससे पुराने ट्रकों और बसों को हटाकर बीएस-6 या इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की योजना है। इसे 3 जून 2026 को मंजूरी मिली और 14 जुलाई 2026 को शुरू किया गया। इसके जरिए योजना में पंजीकृत होने वाले वाहन मालिकों को कई तरह की आर्थिक राहत दी जा रही है।

कोर कमेटी की बैठक में उठा शहर की खराब सड़कों और सफाई का मुद्दा

एजेंसी

नोएडा। भाजपा कोर कमेटी की बैठक प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह की अध्यक्षता में ग्रेटर नोएडा में स्थित पुलिस कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के सामने जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी। जिसमें सबसे प्रमुख मुद्दा जिले की खराब सड़कों का रहा और सफाई का रहा। जिसे शीघ्र दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़कों और सफाई की समस्या पर चर्चा बैठक में शामिल रहे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में सड़को की खराब हालत और नोएडा में सही से साफ-सफाई न होने का मामला उठाया गया और इसको लेकर नाराजगी जतायी गई। जिस पर निर्देश दिए गये कि अगले कुछ दिनों में ही सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और सड़कों को सही कराया जाए। इसके अलावा कुछ अधिकारियों के फोन न उठाने और पार्टी के संगठन के लोगों की बात न सुनने की शिकायत भी की गई। इसके अलावा धारा-10 के मामले को भी बैठक में उठाया गया। पार्टी के नेताओं ने अन्य मामले भी उठाये। जिन्हें अधिकारियों के समक्ष रखते हुए प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि अधिकारियों के द्वारा पार्टी के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों को पर्याप्त सम्मान देकर उनकी बात सुनी जाए और क्षतिग्रस्त सड़कों को सही कर पूरे जिले में सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। मंडल अध्यक्षों की शिकायतों पर निर्देश प्रभारी मंत्री ने एक दिन पूर्व पार्टी के कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं जानी थी। पार्टी के नेताओं के अनुसार इस बैठक में मंडल अध्यक्षों ने कहा था कि सरकारी कार्यालयों में उनकी बात नहीं सुनी जाती। जिसको लेकर कोर कमेटी की बैठक में नाराजगी जतायी गई और निर्देश दिए गये कि मंडल अध्यक्षों को सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त सम्मान देकर अधिकारी उनकी शिकायतों को सुनें। अधिकारी की टिप्पणी पर जताई नाराजगी बैठक के दौरान जिले के एक प्राधिकरण के अधिकारी द्वारा स्वंय को एक संगठन से जुड़ा बताया जाने लगा। जिसकी इस टिप्पणी को लेकर बैठक में अचानक से माहौल गरमा गया और अधिकारी की उक्त टिप्पणी को लेकर प्रभारी मंत्री और अन्य लोगों ने भी नाराजगी जतायी।

पॉश सोसाइटी के फ्लैट में करोड़ों की चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-49 थाना पुलिस ने सेक्टर-50 स्थित एक सोसाइटी के दो फ्लैट से करीब दो करोड़ की चोरी करने वाले तीन बदमाशों को बुधवार देर रात मेघदूतम पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी का सामान और नकदी बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते में पांच लाख रुपये भी फ्रीज कराए। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-50 स्थित द क्रिसेंट अपार्टमेंट के एक फ्लैट में नितिन जैन रहते हैं। उनके ऊपर वाले फ्लैट में धनलक्ष्मी रहते हैं। दोनों के फ्लैट में 12 अक्तूबर को चोरी हुई थी। घटना के समय दोनों परिवार घर से बाहर गए थे। नितिन जैन ने गहनों और नकदी समेत करीब दो करोड़ रुपये का सामान चोरी होने का दावा किया था। पुलिस ने कसे दर्ज कर चोरों को पकड़ने के लिए चार टीम गठित की थीं। गिरफ्तारी और बरामदगी पुलिस ने बुधवार देर रात सेक्टर-50 स्थित मेघदूतम पार्क के पास से तीन आरोपियों को दबोच लिया।

ग्रेनो में वायु प्रदूषण से निपटने को प्राधिकरण ने तेज की मुहिम

एजेंसी

नोएडा। शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए प्राधिकरण ने कवायद तेज कर दी है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही प्रदूषण के लिहाज से चिह्नित सभी हॉट-स्पॉट पर रोकथाम के प्रभावी उपाय किए जाएंगे। वर्तमान में शहर में पांच से अधिक चार्जिंग स्टेशन संचालित हैं। ग्रेटर नोएडा के सीईओ डॉ. बलकार सिंह ने शुक्रवार को सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। सीईओ ने प्रदूषण रोकने के लिए सभी उपाय करने के साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों पर जुमार्ना और जागरूकता के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने को कहा है। उन्होंने ने कहा कि सड़कों के किनारे जहां भी कच्चा मार्ग है, वहां घास लगाएं, ताकि धूल न



उड़े। मशीनों से सड़कों की सफाई दो शिफ्ट में कराएं। दिन और रात में सड़कों की सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं प्रदूषण के लिहाज से चिह्नित सभी हॉट-स्पॉट पर रोकथाम के उपाय करें। एसीईओ के साथ ही महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करें। सीईओ ने जरूरत के हिसाब से एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में निर्धारित सभी कूड़ा संकलन केंद्रों से नियमित कूड़ा उठवाने और साइटों पर निर्माण सामग्री ढककर रखने को कहा है। डॉ. बलकार सिंह ने कहा कि प्रदूषण से संबंधित नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए ग्रेटर नोएडा की आरडब्ल्यूए, अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन के ऑफिस, सामुदायिक केंद्रों आदि के नोटिस बोर्ड पर पंफलेट चस्पा करें। बल्क वेस्ट जेनरेटरों, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में एनजीओ के जरिए जागरूकता अभियान चलाएं। सीईओ ने ग्रेटर नोएडा में ई-चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और सर्दियों में लकड़ी के अलाव की जगह इलेक्ट्रिक हीटर का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। सीईओ ने हॉर्टिकल्चर वेस्ट को जलाने के बजाय वर्मी कंपोस्ट बनाने पर जोर दिया। हॉर्टिकल्चर या अन्य वेस्ट में आग लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम के निर्देश का पालन सिर्फ सर्दियों में ही नहीं, बल्कि हर समय करना जरूरी है। सीईओ ने साफ कहा कि प्रदूषण रोकने के नियमों की अनदेखी करने वालों पर जुमार्ना लगाकर कड़ी कार्रवाई करें। बैठक में एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव, एसीईओ नूपुर गोयल, महाप्रबंधक एके सिंह, उप महाप्रबंधक विजय रावल सहित सभी वरिष्ठ प्रबंधक और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बूथ स्तर पर वोट रक्षक अभियान तेज करेगी कांग्रेस

एजेंसी

नोएडा। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी की संयुक्त संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को बिसरख स्थित जिला कांग्रेस मुख्यालय में हुई। बैठक में 26 नवंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाले संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही जिले में चलाए जा रहे 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति बनाई गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी एवं पूर्व विधायक संजीव आर्या ने संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों तथा बूथ स्तर पर चल रहे वोट रक्षक अभियान की प्रगति की समीक्षा की। संजीव आर्या ने कहा कि कांग्रेस का वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे, संवैधानिक मूल्यों तथा प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा का जनअभियान है। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से बूथवार वोट रक्षकों की नियुक्ति, उनके प्रशिक्षण तथा मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों के भौतिक सत्यापन की जानकारी ली। वहीं नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव ओमवीर यादव ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत देश का आम मतदाता है। संविधान ने प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी का अधिकार दिया है। इस अधिकार की रक्षा करना लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में केवल औपचारिक रिपोर्टिंग पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि वास्तविक जमीनी कार्य, तथ्यात्मक जानकारी और नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि प्रत्येक मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि उसके क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर कम से कम एक प्रशिक्षित वोट रक्षक नियुक्त हो। वोट रक्षक संबंधित बूथ की मतदाता सूची से हटाए गए नामों का जमीनी सत्यापन करें तथा प्राप्त तथ्यों को निर्धारित डिजिटल पोर्टल के माध्यम से संगठन के केंद्रीय कंट्रोल रूम तक पहुंचाएं। बैठक में मुकेश यादव, अजय चौधरी, अशोक पंडित,

ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर रिसेल करने का झांसा देकर 20.36 लाख रुपये ठगे

एजेंसी

नोएडा। साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति को अपने जाल में फंसाकर 20.36 लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने ईकॉमर्स प्लेटफार्म पर रिसेल से होने वाले प्रॉफिट का स्कीम चार्ट भेजा तथा इसी प्लेटफार्म पर ऑनलाइन रि-सेल अकाउंट खोलने का लालच दिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा के निराला एस्टेट सोसाइटी निवासी तथागत अंकित ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से बिहार के जिला मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं। नायरा देसाई नामक एक महिला ने 13 नवंबर को टेलीग्राम के माध्यम से उनसे संपर्क किया। उसने एक ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर रिसेल से होने वाले फायदे के बारे में उनसे बातचीत की। उसने कहा कि इसी प्लेटफार्म पर ऑनलाइन रिसेल अकाउंट खोलने से उनका फायदा होगा। उसने कहा कि हम दोनों साथ मिलकर निवेश करते हैं। निवेश के नाम पर ठगी पीड़ित के अनुसार उसने महिला की बात पर विश्वास किया तथा धीरे-धीरे निवेश करना शुरू कर दिया। शुरूआती दौर में उन्हें ऑनलाइन प्लेटफार्म पर रिसेल करने से काफी मुनाफा हुआ। उन्हें महिला की बात पर विश्वास हो गया। उन्होंने धीरे-धीरे करके 10 बार में 20 लाख 36 हजार रुपये ई-कॉमर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वाली कंपनी में निवेश कर दिए। जब उन्होंने अपनी रकम निकालनी चाही तो आरोपियों ने और रकम की मांग की। उसके बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उन्हें जमा रकम को फ्रीज कराने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो की अंसल गोल्फ लिंक-वन सोसाइटी में व्यवस्थाएं दुरुस्त होंगी

एजेंसी

नोएडा। शहर की अंसल गोल्फ लिंक-वन सोसाइटी में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाएगा। इसके रखरखाव कार्य के लिए एजेंसी का चयन किया जाएगा, जो एक साल तक जिम्मेदारी संभालेगी। आंतरिक सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसके साथ ही प्राधिकरण ने निविदा जारी की है। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक सोसाइटी के ब्लॉक ए एवं सी में आंतरिक सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। इस पर 3.32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। लंबे समय से रखरखाव का कार्य न होने से सड़कें खस्ताहाल हो चुकी हैं। गड्ढे होने से लोगों को परेशानी होती है। दरअसल परी चौक के समीप सेक्टर ओमेगा-1 में अंसल गोल्फ



लिंक-1 सोसाइटी 102 एकड़ में बसाई गई है। बिल्डर प्रबंधन के गायब हो जाने पर सोसाइटी में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी है। रखरखाव का कार्य सही से नहीं हो पा रहा है। ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फ्री होल्ड सोसाइटी होने की वजह से प्राधिकरण विकास कार्य नहीं करा सकता है। पूर्व में हुए समझौते के तहत फ्री होल्ड सोसाइटी में आवंटियों द्वारा रुपया जमा करने पर ही प्राधिकरण द्वारा जरूरी विकास कार्य कराया जाएगा। इस समय पेयजल आपूर्ति, सीवर आदि मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराए जाने का कार्य चल रहा है। वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम ने बताया कि सोसाइटी के ब्लॉक ए और सी की आंतरिक सड़कों की मरम्मत का काम जल्द शुरू किया जाएगा। इसकी निविदा जारी की गई है। सोसाइटी में रखरखाव कार्य के लिए भी एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसकी प्रक्रिया चल रही है।

निजी अस्पताल के डॉक्टर भी नशामुक्ति अभियान से जुड़ेंगे

एजेंसी

नोएडा। निजी अस्पताल के डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी भी राष्ट्रीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान से जुड़ेंगे। 80 निजी अस्पतालों के डॉक्टरों और प्रतिनिधियों को अभियान के तहत प्रशिक्षित किया गया है। निजी अस्पतालों में आने वाले मरीजों की नशे की लत होने काउंसलिंग और जागरूक करना होगा। ताकि वे नशा छोड़ सके। निजी अस्पतालों में मरीजों की काउंसलिंग राष्ट्रीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत ओपीडी, आईपीडी में आने वाले मरीजों की बीमारी के साथ ही नशे की लत की भी जानकारी लेंगे। नशे की जानकारी मिलने पर मरीज उनकी काउंसलिंग भी करनी होगी। साथ ही नशे से होने वाली हानि और इसे छोड़ने के फायदे बताने होंगे। बीमारी के साथ नशा करने से शरीर पर होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में भी मरीजों को जानकारी दी जाएगी। नशा मुक्ति को लेकर अगले 60 दिनों में हुए जागरूकता कार्यक्रम, काउंसलिंग, सहित अन्य कार्यों के बारे में अस्पतालों को बताना होगा। इसके वीडियो और फोटो भी स्वास्थ्य विभाग को देने होंगे। जिला तंबाकू नियंत्रण अधिकारी डॉ. श्वेता खुराना ने बताया कि अस्पतालों के डॉक्टर या प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण हुए हैं। वे अपने अस्पतालों में जाकर इसका विस्तार करेंगे। अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी देंगे। ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। अगर अस्पतालों को नशा मुक्ति काउंसलर से संबंधित प्रशिक्षण की जरूरत है तो उसे हम पूरा करेंगे। अगर कोई बीमार व्यक्ति नशे की लत में है तो वह कभी स्वस्थ नहीं हो सकता। ऐसे में इस अभियान से मरीजों को सबसे अधिक फायदा होने वाला है। अगले दो महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम दिखने की उम्मीद है। नशा छोड़ने की प्रक्रिया में लोग जिले में ढाई हजार से अधिक लोग नशा छोड़ने की प्रक्रिया में हैं। अक्तूबर में 296 लोगों ने नशा छोड़ने के लिए पंजीकरण कराया है। इनकी काउंसलिंग की जा रही है। जिले में छह स्थानों पर नशे की लत को खत्म करने के लिए डी एडिक्शन सेंटर चल रहे हैं। इसके लिए तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ ने निजी अस्पतालों से भी समझौता साइन किया है, जिसके तहत डॉक्टरों और काउंसलरों की अलग-अलग ट्रेनिंग दी गई है। जिला अस्पताल की ओपीडी में भी एक केंद्र चल रहा है।

यौन शोषण मामले में प्रेमी के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी में रहने वाली युवती ने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और शादी से मुकरने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी वैभव अस्थाना और उसके दोस्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में उसकी मुलाकात



जीवनसाथी ऐप के माध्यम से वैभव अस्थाना से हुई। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और करीब एक साल तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान वैभव ने शादी का प्रस्ताव रखा और दोनों परिवारों के बीच बातचीत भी कराई। आरोप है कि वैभव के पिता ने दूसरी जाति होने के कारण शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद वह गांव चला गया, लेकिन बीच-बीच में युवती से मिलने आता रहा। आरोप है कि वर्ष 2025 में वैभव अचानक उससे संपर्क तोड़कर गायब हो गया। इस बीच युवती की दूसरी जगह शादी तय हो गई और सगाई भी हो गई। करीब एक साल बाद वैभव ने दूसरे नंबर से संपर्क किया और शादी का भरोसा देकर दोबारा संबंध बनाने शुरू कर दिए। युवती ने उसके भरोसे पर अपनी तय शादी भी तोड़ दी। आरोप है कि वैभव ने उसे अपने घर बुलाया, साथ रखा और मांग में सिंदूर भरकर पत्नी की तरह रहने का भरोसा दिया। युवती के मुताबिक, दीवाली के बाद जब उसने शादी की बात की तो वैभव ने उसे अपमानित किया। युवती का आरोप है कि वैभव ने उसके चरित्र और परिवार को लेकर अभद्र टिप्पणियां की और शादी करने से इनकार कर दिया। अब 13 नवंबर से उसे फोन कर धमकियां दी जा रही हैं। आरोपी उसे और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने परेशान होकर पुलिस से शिकायत की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा को दुष्कर्म और मारपीट के बाद जंगल में फेंका

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 11 वर्षीय छात्रा को अगवा कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। विरोध करने पर बेल्ट से बेरहमी से पीटा गया। इसके बाद आरोपी उसे बेहोशी की हालत में खेत में छोड़कर भाग गए। पीड़िता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता अपने मामा के यहां रहती है। वह कक्षा पांच में पढ़ती है। उसकी नानी और घर के सदस्य बुधवार रात पड़ोस में शादी के दौरान संगीत कार्यक्रम में गए थे। वह अपनी नानी का मोबाइल देने के लिए जा रही थी। इसी बीच रास्ते में आरोपी पड़ोसी ने छात्रा को दुकान पर



चलने के बहाने बाइक पर बैठा लिया। आरोपी छात्रा को जंगल की तरफ ले गया। खेत में उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर बेल्ट से बुरी तरह पीटा। इसके बाद उसे जंगल में लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। देर रात तक छात्रा घर नहीं पहुंची तो उसकी खोजबीन शुरू हुई, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।मोबाइल की लोकेशन से छात्रा तक पहुंची पुलिस : परिजनों की शिकायत पर बादलपुर कोतवाली पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू की। पुलिस को पता चला की छात्रा के पास उसकी नानी का मोबाइल है। पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और छात्रा का पता लगाया। पुलिस और परिजन छात्रा की तलाश में जंगल में पहुंचे। छात्रा वहां एक खेत में बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। छात्रा को अस्पताल ले जाया गया। कासना के जिम्स अस्पताल में छात्रा का इलाज चल रहा है। छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है। शरीर पर चोट के निशान हैं। गले पर भी निशान मिले हैं। अंदरुनी चोट भी लगी हैं। परिजनों और पुलिस के अलग-अलग दावे परिजनों का आरोप है कि घटना में तीन लोग शामिल हैं। छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। उसे बेरहमी से पीटा गया है। वहीं, पुलिस एक आरोपी होने का दावा कर रही है। परिजनों का आरोप है कि घटना में तीन लोग शामिल रहे। छात्रा ने परिजनों को इस बारे में बताया है। आरोप है कि छात्रा के साथ हैवानियत की गई। छात्रा की हालत गंभीर है। आरोपी की गिरफ्तारी और घटना का समय डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया रोहित उर्फ चंदा पहले से ही छात्रा का परिचित है। आरोपी छात्रा के मामा का दोस्त है। वह मामा का पड़ोसी है। छात्रा उसे मामा कहकर बुलाती थी। छात्रा अपनी मर्जी से बाइक पर बैठकर गई थी। इस घटना में आरोपी अकेला है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। चार घंटे तक खेत में तड़पती रही छात्रा परिजनों ने बताया कि आरोपी ने करीब 9:30 बजे छात्रा को बाइक से अगवा किया। इसके बाद उसे जंगल में ले गया। उसके साथ हैवानियत की और जंगल में छोड़कर भाग गया। करीब चार घंटे तक छात्रा खेत में पड़ी रही। परिजन पुलिस की मदद से करीब 1:30 बजे घटनास्थल पर पहुंचे और बेहोशी की हालत में पड़ी मिली छात्रा को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के बाद से छात्रा के परिवार के लोगों में आक्रोश है। पहले की घटनाएं ग्रेनो वेस्ट के हल्दौनी गांव में तीन महीने पहले छह साल की मासूम बच्ची से बलराज ने दरिंदगी की थी। इसके बाद उसने बच्ची की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में ढेर किया था। बलराज बच्ची के शव को बोर में भरकर घर से दो किलोमीटर दूर खेत में जाकर फेंक आया था। बच्ची के शव को बोरे में ले जाते वक्त वह सीसीटीवी में कैद हुआ था। पहले भी ऐसे मामले सामने आए- दादरी कोतवाली क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव के पास एक सोसाइटी में रहने वाली चार साल की बच्ची को 12 अगस्त को पड़ोसी ने गलत तरीके से छुआ। पुलिस ने बच्ची के परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

फेयरफैक्स अब आईआईएफएल कैपिटल का नया प्रवर्तक

44.08 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली ।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की अगुवाई वाले फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स समूह ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी कुल हिस्सेदारी बढ़ाकर 44.08 प्रतिशत कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ फेयरफैक्स अब कंपनी का नया प्रवर्तक बन गया है, जो भारत में समूह की बढ़ती निवेश रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फेयरफैक्स की निवेश इकाई एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार से शेयरों की खरीद प्रक्रिया पूरी की। आंकड़ों के मुताबिक, एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने औसत 350 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1,540 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे आईआईएफएल कैपिटल में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.79 प्रतिशत हो गई। संबद्ध इकाइयों के साथ फेयरफैक्स समूह की कुल हिस्सेदारी 44.08 प्रतिशत हो गई है। इस बदलाव के बाद, आईआईएफएल के मौजूदा प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी 25.80 प्रतिशत से घटकर 11.85 प्रतिशत रह गई। प्रवर्तक समूह के प्रमुख निर्मल जैन और वेंकटरमण राजमणि ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। यह कदम फेयरफैक्स समूह के लिए भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं की उपस्थिति को और मजबूत करने का संकेत है।

अर्बन कंपनी ने क्यूआईपी से जुटाए 2,500 करोड़

6 गुना से अधिक की मिली जबरदस्त मांग

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने घोषणा की है कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। इस निर्गम के लिए कंपनी को निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त मांग मिली, जो प्रस्तावित राशि का छह गुना से भी अधिक है। यह पूंजी कंपनी के इंस्टाहेल्प आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र, विपणन, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रशिक्षण और संभावित अधिग्रहणों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। कंपनी ने बताया कि क्यूआईपी 16 नवंबर को खुला और 19 नवंबर को बंद हुआ। निदेशक मंडल ने 19 नवंबर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले 16,02,56,410 इक्विटी शेयरों को 156 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य न्यूनतम 161.03 रुपये प्रति शेयर से 3.1 प्रतिशत की छूट पर था। क्यूआईपी में 60 से अधिक निवेशकों ने बोलियां लगाईं, जिनमें से 33 निवेशकों को शेयर आवंटित किए गए। इनमें 13 ऐसे निवेशक भी शामिल थे जिनके पास निर्गम की तिथि तक कंपनी के शेयर नहीं थे। निर्गम का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 13 प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों को आवंटित किया गया। इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिरे एसेट, इन्वेस्को, व्हाइटओक कैपिटल, मोतीलाल ओसवाल, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, कोटक, निप्पॉन इंडिया, यूटीआई, एडलवाइस, बंधन और जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड शामिल हैं, जो कंपनी में मजबूत संस्थागत विश्वास को दर्शाता है।

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 897, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ कारोबार का समापन किया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने एक बार फिर नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच। लगातार दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, बाजार ने निवेशकों को बड़ी राहत दी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक की प्रभावशाली बढ़त के साथ 83,919.71 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 286.30 अंक की छलांग लगाकर 25,800.60 पर पहुंचा। दिन के कारोबार के दौरान भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपने उच्चतम स्तरों को हासिल किया। सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा-डे हाई दर्ज किया, जबकि निफ्टी 50 ने 294.5 अंकों की तेजी के साथ 25,808.80 के उच्चतम स्तर को स्पर्श किया। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। आज के कारोबार में, निफ्टी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 5.2 प्रतिशत की सबसे बड़ी बढ़त देखी गई। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी



3 से 4 प्रतिशत की अच्छी तेजी दर्ज की गई। हालांकि, टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसे कुछ शेयरों में गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। सेक्टरवार प्रदर्शन में, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 3 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 1.2 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.3 प्रतिशत की उछाल आई। रियल एस्टेट (1.7 प्रतिशत), फाइनेंशियल सर्विसेज (1.6 प्रतिशत) और ऑटो (0.65 प्रतिशत) सेक्टर भी हरे निशान में रहे। इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कच्ची चीनी आयात के लिए डीजीएफटी ने फिर खोला कोटा

पात्र मिलें 27 नवंबर तक कर सकेंगी आवेदन

नई दिल्ली ।



वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कच्ची चीनी के आयात के लिए शेष बचे कोटे के आवंटन हेतु एकबारगी आवेदन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा उन पात्र चीनी मिलों और रिफाइनरी इकाइयों के लिए है, जो 27 नवंबर तक इस कोटे के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से 8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था। संबंधित आवंटियों द्वारा 27,493.859 टन कोटा वापस करने और पहले से आवंटित न की गई 1,87,550 टन मात्रा को मिलाकर, अब कुल 2,15,043.859 टन कच्ची चीनी आयात के लिए उपलब्ध है। डीजीएफटी ने बताया कि वैधता अवधि बढ़ाए जाने और शेष मात्रा को देखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत केवल वही चीनी मिलें और रिफाइनरी इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जिनके पास आयातित कच्ची चीनी को सफेद/रिफाइंड चीनी में बदलने की अपनी कार्यशील क्षमता है।

यूएनओ बैंक कंगाल,नेताओं की सिफारिश पर खास लोगों को बांटे अंधाधुंध कर्ज

बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित, देश में मचा वित्तीय हड़कंप

पराग्वे।

यूएनओ बैंक, जो कभी सबसे तेजी से उभरते हुए वित्तीय संस्थानों में से एक था, अब डूब गया है। बैंक ने कथित तौर पर नेताओं की सिफारिश पर अपने ही समूह की कंपनियों और खास लोगों को अंधाधुंध कर्ज बांटे। इस वित्तीय संकट के कारण बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित हुए, जिनकी हजारों करोड़ रुपए की जमा पूंजी अब खतरे में है। पराग्वे सरकार ने इस नुकसान की भरपाई को बहुत मुश्किल बताया है, जिससे पूरे देश में वित्तीय हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएनओ बैंक ने एक फिनटेक स्टार्टअप के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जरिए तेजी से लोकप्रियता हासिल की। मोबाइल ऐप, कैशबैक और अन्य आकर्षक प्रस्तावों ने इसे चंद सालों में पराग्वे की 64 लाख की आबादी में से 30 लाख ग्राहक बनाने में मदद की। बैंक ने पराग्वे की फुटबॉल टीम को भी प्रायोजित किया और कई स्टेडियमों से जुड़ा, जिससे इसकी छवि और मजबूत हुई। हालांकि, इस बाहरी चमक के पीछे, बैंक अंदरूनी तौर पर खोखला होता चला गया। आरोप है कि बैंक ने केवल उन्हीं कमजोर कंपनियों को कर्ज दिए जिनके उसके मालिकों या राजनीतिक हस्तियों से संबंध थे, जिससे संकट की शुरुआत हुई। यह भी आरोप है कि बैंक ने अपनी बैलेंस शीट में वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाया और कुछ खर्चों को गलत तरीके से संपत्ति के रूप में दिखाया। जांच में तत्कालीन राष्ट्रपति की एक संपत्ति पर छापेमारी में एक तिजोरी भी मिली। इस बैंक में केवल आम लोगों का ही नहीं, बल्कि राज्य के पेंशन और हेल्थ फंड समेत करीब 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा का सार्वजनिक धन भी जमा था, जिससे संकट और गहरा गया। आमतौर पर ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक तुरंत हस्तक्षेप करता है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की। रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका गया था और ये आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख की ओर से आते थे। विवाद बढ़ने के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख को इस्तीफा देना पड़ा।

नए केंद्रीय बैंक प्रमुख ने बताया कि पांच दिनों से भी कम समय में करीब 18.12 लाख लोगों के खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित किए गए और जमा राशि के भुगतान के लिए डिपॉजिट गारंटी फंड का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के डूबने से एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

टूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी

यूपी, एमपी और गुजरात में लगेंगे 110 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी टूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है।

कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश टूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर



निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। टूआरई ओरियाना पावर के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है।

सोने की चाल बिगड़ी, बफे के सिद्धांत की हुई जीत

मुंबई ।

गोल्ड मार्केट में आई हालिया गिरावट ने कई निवेशकों को चौंकाया है। वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश सिद्धांतों को यह स्थिति एक बार फिर सही साबित करती दिख रही है, क्योंकि वह हमेशा से सोने को अनुत्पादक मानते रहे हैं। 2024 से 2026 की शुरुआत तक गोल्ड में अच्छी तेजी थी, जब कई निवेशकों ने फायदा उठाया। वॉरेन बफे ने तब भी इससे दूरी बनाए रखी। अब, सोने में फिर गिरावट का रुख है।

फंड्सइंडिया रिसर्च के मुताबिक, इस साल 31 अक्टूबर तक सोने में सालाना आधार पर 25 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज हुई, जो 1980 के बाद की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। नोमुरा का अनुमान है कि सोना गिरकर 3500 डॉलर तक आ सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 5 फीसदी कम होगा। जहां कई निवेशक महंगाई या बाजार में हलचल से बचाव के लिए सोने को अच्छा मानते हैं, वहीं बफे का दृष्टिकोण भिन्न है। उनका मानना है कि सोना अपने मालिक के लिए कोई कमाई नहीं करता - न ब्याज, न डिविडेंड, न कोई नया प्रोडक्ट। इसमें निवेश करने वाले सिर्फ इस उम्मीद में पैसा लगाते हैं कि कोई दूसरा निवेशक इसे ज्यादा कीमत पर खरीदेगा।

फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

अमेरिकी खुदरा दिग्गज को तीसरी तिमाही में एक प्रतिशत राजस्व वृद्धि का नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा। जहां तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई, वहीं चौथी तिमाही में इसका अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद है।

वॉलमार्ट इंक के एक अे धिकारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लिपकार्ट के बीबीडी आयोजन के समय में बदलाव के कारण उन्हें तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि में एक फीसदी की कमी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इस आय को इस साल अंतरराष्ट्रीय खंड की चौथी तिमाही के नतीजों में दर्ज किया जाएगा। यह बदलाव दर्शाता है कि त्योहारी बिक्री के समय का बड़े खुदरा खिलाड़ियों की आय पर कितना गहरा असर पड़ता है। खबरों के मुताबिक, 9 अक्टूबर को शुरू हुए बिग बिलियन डेज के 13वें संस्करण में ऑर्डर, इकाइयों और खरीदारों की संख्या में सालाना आधार पर 20 से 22 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो चौथी तिमाही के लिए मजबूत आय का संकेत है।

मॉरीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

अदालत ने कहा- निवेशक फंड की इकाई का मालिक, अंतर्निहित शेयरों का नहीं



नई दिल्ली ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मॉरीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मॉरीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता।

यह मामला मॉरीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

जापानी निक्केई चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी।

एंथ्रोपिक के शानदार आईपीओ के बावजूद यह चिंता दूर नहीं हुई। पिछले कई महीनों से एआई कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ते खर्च को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस बिकवाली के चलते चिप टेस्टिंग उपकरण बनाने वाली जापानी कंपनी एडवांटेस्ट के शेयर 12 फीसदी गिरे, वहीं सॉफ्टबैंक ग्रुप का शेयर 17 फीसदी तक टूट गया। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स अप्रैल के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में मेमोरी चिप बनाने वाली एसके हाइनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ताइवान में भी, शॉर्ट सेलिंग पर पाबंदियों के बावजूद, टीएसएमसी और मीडियाटेक के शेयरों में गिरावट जारी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद नियमों में संभावित बदलाव और एक बड़ी वैश्विक चिप कंपनी से वरिष्ठ अधिकारी के अचानक हटने से भी एआई सेक्टर को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। निवेशक अब एआई कंपनियों की केवल बिक्री वृद्धि नहीं, बल्कि कमाई के मुकाबले खर्च के अनुपात को भी बारीकी से देख रहे हैं। यह सब मिलकर निवेशकों में जरूरत से ज्यादा बुनियादी ढांचे पर खर्च और निवेश पर रिटर्न को लेकर चिंता पैदा कर रहा है।

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

ईमेल और फोन नंबर हुए सार्वजनिक, पर संवेदनशील वित्तीय जानकारी सुरक्षित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है।

बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे। वीजा और मास्टरकार्ड ने भी डेटा लीक की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि उनके भुगतान संबंधी कार्यों या ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। बैंक के अनुसार प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के करोड़ों ग्राहकों के आधार का एक छोटा हिस्सा है। घटना को फिलहाल काबू में कर लिया गया है और प्रभावित कार्डधारकों की सहायता की जा रही है। बैंक ने दोहराया कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में हुई सॉफ्टवेयर खराबी के कारण आई बैंकिंग सेवाओं में बाधा से पूरी तरह अलग है। यह घटना हाल ही में विश्व स्तर पर सामने आई तकनीकी समस्याओं की शृंखला का हिस्सा है, जिसने विमान सेवाओं और माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं को भी प्रभावित किया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

-पिछले दिन रुपया नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है। गुरुवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति-संतुलन की नई धुरी?



डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है, तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए।



आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी।

तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है, तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी।

क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है।

फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएँ कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एक अन्य चुनौती यह है कि क्वाड कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसके निर्णय बाध्यकारी नहीं हैं और सहयोग के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन व्यवस्था सीमित है। यदि बैठकें, घोषणाएँ और साझा वक्तव्य ठोस परिणामों में नहीं बदलते, तो इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन की विरोधात्मक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय देशों की संवेदनशीलताएँ क्वाड के विस्तार तथा प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। इसलिए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्वाड किसी टकरावकारी समूह की छवि न बनाए, बल्कि क्षेत्रीय देशों के विकास, सुरक्षा और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का सम्मान करे।

भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए।

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है, तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है। भारत की भूमिका इस संतुलन को बनाए रखने वाले देश की होनी चाहिए, न कि किसी प्रतिस्पर्धा का मात्र सहभागी बनने की। यही भारत की रणनीतिक परिपक्वता और वैश्विक नेतृत्व की पहचान होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने %ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स% यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में %ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स% को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है। बल्कि यह सोने की शुद्धता का वायदा भी है।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, ''भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, ''सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है''

न्याय में देरी लोकतंत्र के विश्वास पर सबसे बड़ी चोट



डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

समयबद्ध और सस्ता न्याय सुनिश्चित करना भारतीय न्याय व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता...

न्याय केवल न्यायालयों में होने वाली कानूनी प्रक्रिया का नाम नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता, नागरिकों के अधिकारों और संविधान की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है। किसी भी सभ्य समाज में न्याय का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह समय पर और प्रत्येक नागरिक की पहुँच में उपलब्ध हो। यदि किसी व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ें, आर्थिक संसाधन समाप्त हो जाएँ और न्याय मिलने से पहले ही उसका जीवन संघर्षों में बीत जाए, तो न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने लंबित मुकदमों का बढ़ता बोझ और सुनवाई में होने वाली देरी आज गंभीर चुनौती बन चुके हैं। हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा उच्च न्यायालयों में शीघ्र सुनवाई न मिलने के कारण वादियों के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचने की चिंता इसी समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। यह स्थिति बताती है कि न्यायिक व्यवस्था में केवल मुकदमों का निपटारा बढ़ाना पर्याप्त नहीं, बल्कि न्याय तक पहुँचने की प्रक्रिया को भी सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना आवश्यक है।

भारत में न्यायिक देरी का सबसे प्रमुख कारण न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों का रिक्त रहना है। न्यायालयों में उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या मुकदमों के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप मौजूदा न्यायाधीशों पर अत्यधिक कार्यभार पड़ता है। जब सीमित संख्या में न्यायाधीशों को बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई करनी पड़ती है, तो प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय देना कठिन हो जाता है। नियुक्तियों में विलंब, चयन प्रक्रिया की जटिलताएँ और विभिन्न स्तरों पर होने वाली प्रशासनिक प्रक्रियाएँ इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं। न्यायिक पदों को लंबे समय तक रिक्त रखना अंततः आम नागरिक के न्याय पाने के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है।

दूसरा बड़ा कारण न्यायालयों में लंबित मुकदमों की विशाल संख्या है। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों तक मुकदमों का लगातार बढ़ता दबाव न्यायिक व्यवस्था की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है। नए मुकदमों के आने की गति और पुराने मामलों के निस्तारण के बीच संतुलन स्थापित नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में वादी और प्रतिवादी दोनों वर्षों तक निर्णय की प्रतीक्षा करते रहते हैं। दीवानी विवादों, संपत्ति संबंधी मामलों, पारिवारिक विवादों और आपराधिक मुकदमों में देरी का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है। आपराधिक मामलों में विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है, जबकि दीवानी मामलों में संपत्ति, व्यवसाय और पारिवारिक संबंध अनिश्चितता में फँसे रहते हैं।

बार-बार होने वाले स्थगन भी न्यायिक देरी का एक प्रमुख कारण हैं। कई बार अधिवक्ताओं की अनुपलब्धता, पक्षकारों की तैयारी पूरी न होना, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य प्रक्रियागत कारणों से सुनवाई आगे बढ़ा दी जाती है। कुछ मामलों में अनावश्यक स्थगन मुकदमों को लंबा खींचने का माध्यम बन जाते हैं। न्यायालयों में तारीख पर तारीख मिलने की प्रवृत्ति न केवल न्यायिक समय की बर्बादी करती है, बल्कि वादियों पर आर्थिक और मानसिक दबाव भी बढ़ाती है। न्याय प्राप्त करने के लिए बार-बार यात्रा करना, अधिवक्ताओं की फीस देना और कामकाज छोड़ना आम नागरिक के लिए अतिरिक्त कठिनाई पैदा करता है।

न्यायिक आधारभूत संरचना की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। अनेक न्यायालयों में पर्याप्त न्यायालय कक्ष, तकनीकी सुविधाएँ, प्रशिक्षित कर्मचारी और आधुनिक अभिलेख प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध नहीं हैं। न्यायिक प्रक्रिया का बड़ा हिस्सा अभी भी दस्तावेजों, भौतिक फाइलों और प्रशासनिक औपचारिकताओं पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त सरकारी मुकदमेबाजी भी न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ बढ़ाती है। विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा छोटे-छोटे मामलों में अपील करना, निर्णयों को चुनौती देना और विवादों का समय रहते समाधान न करना मुकदमों की संख्या बढ़ाता है। सरकार स्वयं देश की सबसे बड़ी वादियों में शामिल है। इसलिए सरकारी विभागों की जवाबदेही और मुकदमेबाजी नीति में सुधार के बिना लंबित मामलों की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना होगा। उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए। न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नियुक्तियों की पारदर्शिता बनाए रखते हुए चयन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब समाप्त करना समय की माँग है।

दूसरा महत्वपूर्ण उपाय प्रभावी केस प्रबंधन है। प्रत्येक मुकदमे की प्रकृति और आवश्यकता के अनुसार सुनवाई की समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। अनावश्यक स्थगनों पर कठोर नियंत्रण होना चाहिए और विशेष परिस्थितियों को छोड़कर बार-बार तारीख देने से बचना चाहिए। न्यायालयों को मामलों की प्राथमिकता तय करने के लिए पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। वृद्धों, महिलाओं, बच्चों, गंभीर बीमारियों से जुड़े मामलों और लंबे समय से लंबित आपराधिक मामलों को उचित प्राथमिकता दी जानी चाहिए। त्वरित न्याय का अर्थ जल्दबाजी में निर्णय देना नहीं, बल्कि अनावश्यक प्रक्रियागत देरी समाप्त करते हुए निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना है।

डिजिटल तकनीक न्यायिक सुधारों का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल रिकॉर्ड और ऑनलाइन केस ट्रैकिंग से न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकता है। भारत में ई-कोर्ट्स मिशन मोड परियोजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से न्यायालयों के डिजिटलीकरण, मामलों की ऑनलाइन जानकारी और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार को बढ़ावा मिला है। हालांकि डिजिटल न्याय व्यवस्था का लाभ तभी व्यापक होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे शहरों और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को भी इंटरनेट, डिजिटल साक्षरता और आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। तकनीक न्याय तक पहुँच का साधन बने, नई बाधा नहीं।

इसके साथ ही वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणालियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालतें ऐसे मंच हैं, जहाँ अनेक विवाद पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया की तुलना में कम समय और कम खर्च में सुलझाए जा सकते हैं। पारिवारिक विवाद, छोटे आर्थिक विवाद, बैंक ऋण और आपसी समझौते से हल होने वाले मामलों को इन माध्यमों से निपटाने पर नियमित न्यायालयों का बोझ कम किया जा सकता है। जिला स्तर पर मध्यस्थता केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाना और प्रशिक्षित मध्यस्थों की संख्या बढ़ाना भी उपयोगी होगा।

सस्ती न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है जितना शीघ्र न्याय। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति केवल इसलिए न्याय से वंचित न रह जाए कि वह अधिवक्ता की फीस या मुकदमे का खर्च वहन नहीं कर सकता। इसके लिए निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं को मजबूत करना होगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका को गाँवों और कस्बों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाना चाहिए। लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध सहायता और शिकायत निवारण के माध्यमों के बारे में जागरूक करना भी जरूरी है।

सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए विभागों में प्रभावी विवाद समाधान तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। प्रत्येक छोटे मामले में अपील करने के बजाय अधिकारियों को तथ्यों और कानूनी स्थिति के आधार पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अनावश्यक अपीलों और बार-बार चुनौती देने की प्रवृत्ति पर संस्थागत नियंत्रण होना चाहिए। इससे न्यायालयों का बहुमूल्य समय बचेगा और नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सकेगी।

रोहिंग्या नरसंहार पर आईसीजे का ऐतिहासिक फैसला



डॉ. हिदायत अहमद खान

अत्याचार दुनियां के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, उससे मानवता शर्मसार होती ही है। वर्तमान में यहां बात हम म्यांमार में हुए नरसंहार की कर रहे हैं, जिसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। दरअसल म्यांमार में रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हुए नरसंहार पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का फैसला केवल एक देश के अपराधों पर न्यायिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने की चुनौती भी है। हेग स्थित अदालत ने 9-6 के बहुमत से म्यांमार को 2017 में राखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। अदालत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब उसने किसी देश को नरसंहार करने का जिम्मेदार पाया है। इस फैसले ने उन लाखों लोगों की पीड़ा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी मान्यता दी है, जिन्हें अपनी जमीन, घर और पहचान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि म्यांमार की सुरक्षा बलों की कार्रवाई को केवल उग्रवाद के खिलाफ अभियान बताकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुनवाई के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने माना कि रोहिंग्या नागरिकों की हत्या, महिलाओं के साथ व्यापक यौन हिंसा, बच्चों पर अत्याचार और गांवों को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट करने की घटनाएं एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा थीं। अदालत के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से यही निष्कर्ष निकलता है कि म्यांमार का इरादा उत्तरी राखाइन में रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को समाप्त करना था। फैसले में करीब 10 हजार लोगों की हत्या के साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है। इस मामले की शुरुआत नवंबर 2019 में हुई थी, जब अफ्रीकी देश गाम्बिया ने 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार रोकथाम और दंड संबंधी समझौते के तहत म्यांमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उसे इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 देशों का समर्थन मिला। जनवरी 2020 में अदालत ने म्यांमार को रोहिंग्या समुदाय की सुरक्षा और नरसंहार से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अंतरिम निर्देश भी दिए गए थे। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया मौजूदा फैसला इस बात का प्रमाण है कि छोटे देश भी अंतर्राष्ट्रीय कानून के सहारे शक्तिशाली देशों को जवाबदेह ठहराने की पहल कर सकते हैं। इस फैसले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि रोहिंग्या संकट अब केवल म्यांमार का आंतरिक मामला नहीं रह गया है। 2017 की सैन्य कार्रवाई के बाद सात लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश भागने को मजबूर हुए। आज भी बड़ी संख्या में शरणार्थी कॉक्स बाजार के शिविरों में कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं। उनके सामने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याएं हैं। बांग्लादेश पर भी इन शरणार्थियों की मेजबानी का आर्थिक और सामाजिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में अदालत का सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक वापसी का निर्देश महत्वपूर्ण है, लेकिन वापसी तभी संभव होगी जब म्यांमार में उनकी नागरिकता, पहचान, संपत्ति और सुरक्षा के अधिकार सुनिश्चित हों। अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के संदर्भ में भी यह फैसला दूरगामी महत्व रखता है। गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार समझौते के उल्लंघन का मामला दायर किया है। इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ा विवाद भी नरसंहार समझौते के दायरे में अदालत के सामने है। म्यांमार के मामले में अदालत ने नरसंहार के इरादे को साबित करने के लिए जिस तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और घटनाओं के व्यापक स्वरूप का मूल्यांकन किया है, उस पर दूसरे मामलों में भी चर्चा होगी। हालांकि, म्यांमार का फैसला गाजा या यूक्रेन के मामलों का स्वतः निर्णय नहीं है। प्रत्येक मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी परिस्थितियों के आधार पर अलग निष्कर्ष निकाला जाएगा। फैसले के बाद सबसे बड़ी चुनौती उसके क्रियान्वयन की है। आईसीजे के निर्णय संबंधित देशों के लिए बाध्यकारी होते हैं और इस फैसले के खिलाफ अपील का प्रावधान नहीं है, लेकिन अदालत के पास अपने आदेश लागू कराने के लिए स्वतंत्र पुलिस या सैन्य व्यवस्था नहीं है। म्यांमार के अनुपालन से इनकार करने की स्थिति में गाम्बिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रुख कर सकता है। वहां स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार और भू-राजनीतिक हित कार्रवाई को प्रभावित कर सकते हैं। म्यांमार ने भी फैसले को अनुचित बताते हुए इसका विरोध किया है और कहा है कि वह कानूनी समीक्षा करेगा। अदालत ने म्यांमार को नरसंहार के दोषियों की जांच, मुकदमा और सजा सुनिश्चित करने, भविष्य में ऐसे अपराध रोकने तथा पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने इसे अंतर्राष्ट्रीय न्याय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दंडमुक्ति समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यहां स्पष्ट करते चलें कि किसी समुदाय का अस्तित्व केवल उसकी जान बचाने से सुरक्षित नहीं होता। उसकी भाषा, संस्कृति, नागरिकता, जमीन, व्यवसाय और सम्मान भी सुरक्षित रहने चाहिए। रोहिंग्या समुदाय को न्याय तभी मिलेगा, जब अदालत का फैसला कागजों से निकलकर उनके जीवन में बदलाव लाएगा। दुनिया के देशों को म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने, शरणार्थियों की सहायता करने और उनकी स्वैच्छिक वापसी के लिए ठोस व्यवस्था तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अन्यथा यह ऐतिहासिक फैसला भी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर दर्ज एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनकर रह जाएगा, जबकि पीड़ितों की पीड़ा जस की तस बनी रहेगी। इसमें दोराय नहीं कि म्यांमार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का फैसला रोहिंग्या समुदाय के लिए न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। फिर भी इस फैसले की असली परीक्षा इसके पालन और विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी में है। इसे केवल एक देश के अपराध पर अदालत की मुहर के रूप में नहीं, बल्कि दुनिया भर में नरसंहार, युद्ध अपराध और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही की कसौटी के रूप में देखना चाहिए। ताकि अन्य किसी देश में किस वर्ग या समुदाय के खिलाफ फिर कभी इस तरह की ज्यादती नहीं होने पाए।

संक्षिप्त समाचार

'कुछ लोगों की जगह कोई नहीं ले सकता' : जेनसन के मुरीद हुए डोनाल्ड ट्रंप, जमकर की तारीफ

शेनझेन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के लिए जासूसी के विवाद में घिरे एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग का समर्थन किया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने प्रतिभाशाली लोगों का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं। राष्ट्रपति का यह समर्थन ऐसे समय में आया है, जब एनवीडिया का बोर्ड हुआंग की कंपनी में वापसी की संभावनाओं को खारिज कर चुका है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने चीनी कारोबारी महिला एलिस हुआंग को 'खूबसूरत महिला' बताया और कहा कि वह जासूस नहीं, बल्कि चिप खरीदने वाली एक कारोबारी हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत को लेकर ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) था। जेनसन के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा, 'हमने इस बारे में चर्चा नहीं की। हो सकता है मैंने इसका जिक्र बहुत संक्षेप में किया हो, क्योंकि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। यह एक त्रासदी है। वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं।

ट्रंप-पुतिन का भव्य स्वागत, जापानी पीएम को ठंडा रिस्पॉन्स! एपेक में चीन का कूटनीतिक संदेश

बीजिंग , एजेंसी। चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है। बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंचे। इनका भव्य स्वागत किया गया वहीं जापान की पीएम सनाए ताकाइची के प्रति रिस्पॉन्स बेहद ठंडा दिखा। ग्लोबल मीडिया में ये चर्चा का विषय है। चीन के इस कूटनीतिक व्यवहार को जापान के साथ ताइवान को लेकर जारी तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एपेक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं का सैन्य बैंड, फूलों के गुलदस्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया तो जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची को अपेक्षाकृत कम तवज्जो मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। ताकाइची जब शेनझेन बाओआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं तो उनके स्वागत के लिए चीन की पूर्व राजदूत झांग कियुए मौजूद थीं। उनके साथ सीमित संख्या में गार्ड ऑफ ऑनर के जवान थे। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद हवाई अड्डे पहुंचे। ट्रंप के स्वागत में सैन्य सम्मान, बच्चों और बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी भी रही। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत शी जिनपिंग के करीबी वरिष्ठ कम्युनिस्ट पार्टी नेता काई छी ने किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी भव्य स्वागत मिला। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, चीन और जापान के बीच मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह ताइवान को लेकर ताकाइची का बयान है।

चीन: डोनाल्ड ट्रंप से मिले मार्क कार्नी, कनाडाई पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार समझौते पर की चर्चा

शेनझेन, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के इतर हुई। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर चर्चा की। कार्नी ने कहा कि वे काम जारी रखने पर सहमत हुए हैं। कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने शेनझेन में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बैठक में एक ऐसे व्यापार समझौते पर बात हुई। यह समझौता अच्छे रोजगार पैदा करेगा और सामर्थ्य को बढ़ावा देगा। साथ ही यह कनाडा की भाषाओं, संस्कृति और संप्रभुता का सम्मान करेगा। कार्नी ने यह भी बताया कि दोनों नेता संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। उन्होंने बातचीत जारी रखने की बात कही। यह बैठक दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रहे व्यापार तनाव के बीच हुई। अक्तूबर 24 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि कनाडा ने व्यापार असंतुलन के जरिये अमेरिका का वर्षों से फायदा उठाया है। ट्रंप ने दावा किया कि कनाडा अमेरिका की कीमत पर भारी लाभ कमा रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडा वर्षों से अमेरिका से 90 अरब डॉलर प्रति वर्ष का लाभ कमा रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे एक ऐसे समझौते के करीब हैं जो अमेरिका के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

वेनेजुएला और अमेरिका के बीच सैन्य समझौता: हेगसेथ बोले- प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी तक करेंगे साझा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला ने अपने सैन्य संबंधों को दोबारा स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को वेनेजुएला की राजधानी कराकस में इसकी जानकारी दी। समझौते के तहत दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी साझा करने तक सहयोग बढ़ाएंगे।

हेगसेथ ने कहा कि जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आया है। उनके मुताबिक, वेनेजुएला अब अमेरिका के लिए क्षेत्रीय सुरक्षा खतरे के बजाय सहयोगी बन गया है।

उन्होंने कहा कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ करीबी सहयोग से वेनेजुएला को स्थिर करने और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिली है। हालांकि, पेंटागन ने नए सैन्य समझौते की शर्तों और उसके दायरे को लेकर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

अंतरिम राष्ट्रपति ने भी सैन्य सहयोग का किया समर्थन : वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने भी दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी मजबूत करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि तकनीकी और सैन्य सहयोग को उच्चतम स्तर तक ले



जाया जाए, ताकि साझा खतरों से निपटा जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन जनवरी में मादुरो को सत्ता से हटाए जाने के बाद से वेनेजुएला में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हेगसेथ इस साल वेनेजुएला का दौरा करने वाले ट्रंप प्रशासन के मंत्रिमंडल के नवीनतम सदस्य हैं। इससे पहले गृह और ऊर्जा मंत्री भी वहां जा चुके हैं। इन दौरों का मुख्य उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडार और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों तक अमेरिकी पहुंच बढ़ाना रहा है। ट्रंप ने अगस्त में कहा था कि हेगसेथ ने अमेरिका को वेनेजुएला के कुछ तेल भंडारों का नियंत्रण दिलाने वाले व्यापक समझौते में अहम भूमिका निभाई थी।

अमेरिकी सैन्य कमांडर भी कर चुके हैं बैठक : अमेरिकी दक्षिणी कमान के प्रमुख जनरल फ्रांसिस डोनोवन भी इस साल वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों से कम से कम दो बार मुलाकात कर चुके हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी सेना ने पश्चिमी गोलार्ध में अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। ट्रंप ने लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सेना कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध तस्करी वाली नौकाओं को निशाना बना रही है। सितंबर 2025 से शुरू हुई इन कार्रवाइयों में कम से कम 240 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इन नौकाओं में नशीले पदार्थ होने के दावों के समर्थन में बहुत कम सबूत जारी किए हैं।

वेनेजुएला में नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता : हेगसेथ का दौरा ऐसे समय हुआ है, जब वेनेजुएला में आने वाले महीनों और वर्षों में देश का नेतृत्व कौन करेगा, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद उनकी सहयोगी डेल्सी रोड्रिगेज ने अंतरिम राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली थी। उनका अदालत से मिली अनुमति के तहत कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो गया था, लेकिन इसके बावजूद वह देश की प्रमुख बनी हुई हैं। विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो भी निर्वासन के बाद हाल ही में वेनेजुएला लौट आई हैं। विपक्षी कार्यकर्ताओं का दावा है कि इससे पहले उनकी वापसी की सात कोशिशें सरकार ने नाकाम कर दी थीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि मचाडो की सुरक्षित वापसी अमेरिका के समर्थन से हुई सुलह वार्ता का नतीजा थी। उन्होंने इसे पिछले तीन दशकों में वेनेजुएला में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तथा स्थायी लोकतंत्र की दिशा में सबसे अच्छा अवसर बताया।

तेल समझौते को लेकर ट्रंप प्रशासन का दावा : वेनेजुएला में अगले राष्ट्रपति चुनाव की तारीख घोषित नहीं होने से लोगों के बीच ट्रंप प्रशासन को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया है। मादुरो के सत्ता से हटने पर कई लोग राहत महसूस कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि व्हाइट हाउस ने लोकतांत्रिक सुधारों के बजाय तेल उद्योग को फिर से शुरू करने को प्राथमिकता देकर देश में वास्तविक बदलाव की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि रोड्रिगेज सरकार के साथ हुए ऊर्जा समझौते के तहत वेनेजुएला के तेल की बिक्री से मिली 12 अरब डॉलर से अधिक की रकम, यानी करीब 99 प्रतिशत राजस्व, वापस वेनेजुएला को दिया जा चुका है। यह जानकारी इसी महीने जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

अंटार्कटिका में इंसानी गतिविधियों से दुर्लभ सूक्ष्मजीवों को खतरा, नए Study में खुलासा

हैमिल्टन , एजेंसी। जंगलों और प्राकृतिक क्षेत्रों में घूमने जाने वाले लोगों को आमतौर पर सलाह दी जाती है कि वे वहां केवल अपने पैरों के निशान छोड़कर आएं। हालांकि, एक नए अध्ययन में सामने आया है कि अंटार्कटिका में पैरों के निशान भी दुर्लभ पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उनमें ऐसे बदलाव ला सकते हैं, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। अंटार्कटिका में दुनिया के कुछ सबसे दुर्लभ और महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद हैं। इनमें मैकमुर्डो ड्राई वैलीज की विशाल बर्फ-मुक्त भूमि की स्थायी रूप से जमी मिट्टी भी शामिल है। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में से एक है। कठोर जलवायु परिस्थितियों के बावजूद यहां बर्फ से जमी मिट्टी की परतों में विशिष्ट सूक्ष्मजीव समुदाय और नेमेटोड, टार्डिग्रेड तथा रोटिफर जैसे छोटे अकशेरुकी जीव पाए जाते हैं। ये जीव रेत के कणों के आसपास मौजूद पानी की बेहद पतली परतों में जीवित रहते हैं। अंटार्कटिका के पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है।

इसके तहत वहां जाने से पहले जूतों और अन्य उपकरणों की व्यापक जांच, सफाई और संक्रमणमुक्त करने के नियम लागू हैं। हालांकि, इन नियमों का मुख्य उद्देश्य बाहरी आक्रामक प्रजातियों को अंटार्कटिका में पहुंचने और फैलने से रोकना है। नए अध्ययन में इस बात की जांच की गई कि क्या इंसान अनजाने में स्थानीय सूक्ष्मजीवों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाकर वहां के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव का खतरा अंटार्कटिका में अन्य महाद्वीपों की तुलना में बाहरी प्रजातियों की संख्या कम है, लेकिन वहां जैविक आक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। 60 डिग्री दक्षिण अक्षांश के दक्षिण में मिट्टी में रहने वाले स्प्रिंगटेल और माइट जैसे छोटे अकशेरुकी जीवों सहित कम से कम एक दर्जन गैर-स्थानीय प्रजातियां दर्ज की गई हैं।

इनमें कई पौधों की प्रजातियां भी शामिल हैं। ये मुख्य रूप से अनुसंधान केंद्रों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों के आसपास पाई गई हैं। वैज्ञानिक अभियानों, रसद गतिविधियों और पर्यटन सहित मानवीय गतिविधियां बाहरी प्रजातियों के प्रसार का प्रमुख माध्यम हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने से इन प्रजातियों के अंटार्कटिका में जीवित रहने और फैलने की संभावना भी बढ़ सकती है। फिलहाल, इससे भी बड़ा खतरा अंटार्कटिका के भीतर ही स्थानीय प्रजातियों के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पहुंचने का है। इसमें पहले से वहां मौजूद और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित प्रजातियां अपने प्राकृतिक क्षेत्र से बाहर फैल सकती हैं। इस तरह के प्रसार के लिए सूक्ष्मजीव सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। ये पारिस्थितिकी तंत्र में प्राथमिक उत्पादक और पोषक तत्वों के चक्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंटार्कटिका की मिट्टी की अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण दुनिया भर में पाई जाने वाली सामान्य बैक्टीरिया प्रजातियों को भी विशेष रूप से अनुकूलन करना पड़ता है।

अमेरिका: व्हाइट हाउस के अफसरों से मिले हिंदू नेता, हिंदूफोबिया-मंदिरों की सुरक्षा पर उठाई आवाज; रखीं मांगें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हिंदू समुदाय के नेताओं ने सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी बयानबाजी और देशभर में हिंदूफोबिया से जुड़ी घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने बुधवार को व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ बैठक में ये मुद्दे उठाए। इस दौरान उन्होंने अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने और अलग-अलग धर्मों के बीच संवाद मजबूत करने की मांग भी की। बैठक में सरकार की नीतियों में हिंदू अमेरिकी समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। यह बैठक वॉशिंगटन में हिंदू सामुदायिक केंद्र और मंदिर 'केशवम' में आयोजित की गई। इसमें व्हाइट हाउस की फेथ डायरेक्टर जेनिफर कोर्न के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। उनके साथ अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार और फेथ लाइजन बेलसिस रोमेरो भी मौजूद थीं। बैठक में हिंदू स्वयंसेवक संघ-यूएसए, सेवा इंटरनेशनल, बीएपीएस, हिंदू युवा, इस्कॉन, चिन्मय मिशन, आर्ट ऑफ लिविंग, ईशा फाउंडेशन, विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका और श्रीमद राजचंद्र मिशन समेत कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान हिंदू अमेरिकी प्रतिनिधियों ने अमेरिका में समुदाय के योगदान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदू संगठन आपदा राहत कार्यों, ध्यान और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ सेवा दिवाली जैसे अभियानों के जरिए समाज की मदद कर रहे हैं। सेवा दिवाली के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए खाद्य सामग्री जुटाई जाती है। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर बढ़ती हिंदू विरोधी टिप्पणियों और अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में सामने आ रही हिंदूफोबिया की घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने अधिकारियों से मंदिरों की सुरक्षा बेहतर करने के लिए जरूरी कदम तलाशने का आग्रह किया। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा देने और अलग-अलग समुदायों के बीच विश्वास और समझ विकसित करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी संघीय नीतियों से जुड़ी चर्चाओं में हिंदू समुदाय के विचारों को शामिल करने और सरकारी स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत बताई।

'हमें किसी की जरूरत नहीं': ईरान से जंग में चीन-रूस की मदद लेने से ट्रंप का इनकार, कहा- समझौता चाहता है तेहरान

शेन्जेन, चीन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से जुड़े मौजूदा संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि तेहरान, वाशिंगटन के साथ समझौता करना चाहता है। साथ ही दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर दिया है। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की नौसेना, वायु सेना और एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणालियों को हरा दिया है। साथ ही यह भी कहा कि उस देश की मिसाइल क्षमताओं में काफी कमी आई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे इस संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'देखिए, हमें किसी मदद की जरूरत नहीं है। हमने



उनकी नौसेना को हरा दिया है। उनकी वायु सेना को हरा दिया है। उनके एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम को भी हरा दिया है। उनके पास अब लगभग 12 मिसाइलें ही बची हैं। उनके पास कुछ मिसाइलें तो हैं, लेकिन वे पहले की तुलना में घटकर लगभग 12-13% रह गई हैं, और अब वे एक समझौता करना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मदद की जरूरत नहीं है। मेरा मतलब है कि मैं मदद मांगने नहीं जा रहा हूं।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वाशिंगटन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण कर लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इस जलमार्ग से जितना तेल गुजरा, उतना इसके इतिहास में पहले कभी नहीं गुजरा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल ही में हुए चुनावों के बाद वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, 'चुनाव के अगले ही दिन तेल की कीमतें तेजी से नीचे गिर गईं।' वाशिंगटन डीसी में ईरान द्वारा 'डर्टी बम' के इस्तेमाल के खतरे की संभावना पर, ट्रंप ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि परमाणु हथियार बनाने से रोके जाने के बाद, तेहरान अब रासायनिक और जैविक हथियारों की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसे संकेत हैं कि ईरान गैस और जैविक हथियारों पर विचार कर रहा है, क्योंकि हमने परमाणु हथियारों के मामले में उनके रास्ते बंद कर दिए हैं। परमाणु हथियार बनाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। इसलिए वे गैस और जैविक हथियारों की ओर देख रहे हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वाशिंगटन डीसी के लोगों को ईरान के संभावित हमले को लेकर चिंतित होना चाहिए, तो ट्रंप ने कहा कि घबराने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता। देखिए, अगर ऐसा होता है, तो हम उनका नामोनिशान मिटा देंगे। ट्रंप ने इस टकराव में अमेरिका के रुख का बचाव करते हुए कहा कि इन दुश्मनी की जड़ें 51 साल पुरानी घटनाओं में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ महीनों में ईरानी अधिकारियों ने 75,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला है, और तेहरान पर प्रदर्शनों को दबाने के लिए घातक बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजनयिक मोर्चे पर, ट्रंप ने पुष्टि की कि वाशिंगटन तेहरान के संपर्क में है।

दुनिया में 2035 तक मुस्लिमों की संख्या होगी सबसे ज्यादा, इस्लाम होगा सबसे बड़ा धर्म

वाशिंगटन, डीसी , एजेंसी। प्यू रिसर्च सेंटर ने रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार, 2035 तक इस्लाम दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में ईसाई धर्म को पीछे छोड़ सकता है। रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लाम और ईसाई धर्म दोनों ही बढ़ रहे हैं, लेकिन इस्लाम कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि अन्य प्रमुख धार्मिक समूहों की तुलना में मुसलमानों के बच्चों की संख्या अधिक होती है। प्यू के वरिष्ठ जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कॉनराड हैकेट ने बताया कि धर्म परिवर्तन या धार्मिक पहचान बदलने के अन्य तरीकों की तुलना में, प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) कहीं अधिक बड़ा कारक है।

पाकिस्तान में हो जाएंगे सबसे ज्यादा मुस्लिम : प्यू के अनुसार, 2020-2025 के दौरान मुसलमानों



में प्रजनन दर प्रति महिला 3.1 बच्चे थी, जबकि ईसाइयों में यह दर 2.5 थी। अन्य सभी समूहों की महिलाओं के लिए औसत प्रजनन दर 1.6 थी, जो 2.1 के उस स्तर से कम है जिसे किसी भी पीढ़ी के खुद को बनाए रखने (रिप्लेस करने) के लिए आवश्यक माना जाता है। प्यू के अनुसार, अगर मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक पाकिस्तान में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी होगी। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का नंबर आएगा - जबकि अभी इंडोनेशिया में सबसे अधिक मुस्लिम रहते हैं। प्यू के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुसलमान थे। प्यू के नए अनुमानों के मुताबिक, 2035 तक मुसलमानों की संख्या 2.57 अरब और ईसाइयों की संख्या 2.52 अरब हो जाएगी। यदि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक दुनिया भर में मुसलमानों की संख्या 3.6 अरब से अधिक हो जाएगी, जबकि ईसाइयों की संख्या 3 अरब से थोड़ी कम होगी। इन अनुमानों में धार्मिक समूहों की आयु संरचना, प्रजनन दर, धर्म परिवर्तन और प्रवास (माइग्रेशन) के मौजूदा रुझानों को ध्यान में रखा गया है। प्यू का अनुमान है कि अगले 40 वर्षों के भीतर, संयुक्त राज्य अमेरिका में ईसाइयों का बहुमत नहीं रहेगा। प्यू के अनुसार, अभी अमेरिका की 62% आबादी ईसाई है, और 2065 तक यह आंकड़ा 50% से नीचे आ जाएगा। प्यू ने बताया कि पड़ोसी देश कनाडा में भी 2030 तक ईसाइयों की आबादी 50% से कम होने का अनुमान है। दोनों ही देशों में इस गिरावट का एक बड़ा कारण उन लोगों की संख्या में बढ़ोतरी है, जो किसी भी धर्म से नहीं जुड़े हैं।

बांग्लादेश में अवामी लीग के 'लॉकडाउन' के बीच भीषण हिंसा!



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बृहस्पतिवार तड़के कई जगहों पर बम धमाके हुए, जबकि चटगांव में पूर्व की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को आग लगा दी गई। यह अशांति पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी अवामी लीग की ओर से बृहस्पतिवार को देशव्यापी ''लॉकडाउन के आह्वान के बाद हुई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली भंग की जा चुकी पार्टी 'अवामी लीग' द्वारा बृहस्पतिवार को देशव्यापी 'लॉकडाउन' के आह्वान के बाद पूरे देश में हिंसक झड़पें, बम धमाके और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राजधानी ढाका में तड़के कई स्थानों पर बम विस्फोट हुए, जबकि चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। इस व्यापक हिंसा में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बृहस्पतिवार सुबह ढाका के कई इलाकों में बम विस्फोट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, चटगांव के पांचलाइश इलाके में अज्ञात उपद्रवियों ने नोबेल पुरस्कार विजेता और पूर्व मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में आग लगा दी। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में यूनुस द्वारा स्थापित 'ग्रामीण बैंक' की कई शाखाओं को भी निशाना बनाकर आग लगाई गई थी। बीते दो दिनों में देश के 64 प्रशासनिक जिलों में से 28 जिलों में बम धमाके और वाहनों को फूंकने की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार रात ढाका में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं- जिन्हें प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़ा माना जा रहा है- ने अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला कर आग लगा दी। इससे पहले बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी आग के हवाले कर दिया गया था। अखबारों की खबरों के अनुसार, बुधवार रात प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने ढाका में अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला किया या उन्हें आग लगा दी। माना जा रहा है कि ये कार्यकर्ता प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़े थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा: हकीम जेफ्रीज बन सकते हैं पहले अश्वेत स्पीकर, डेमोक्रेट्स ने लगाई नाम पर मुहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने हकीम जेफ्रीज को नए कांग्रेस सत्र के लिए अपना नेता चुन लिया है। इसके साथ ही उनके अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पहले अश्वेत स्पीकर बनने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। जनवरी में नए कांग्रेस सत्र की शुरुआत पर सदन में होने वाला औपचारिक मतदान इस पद पर उनकी नियुक्ति का अंतिम चरण होगा। मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के करीब दो सप्ताह बाद पार्टी ने जेफ्रीज के नाम पर मुहर लगाई। हालांकि, पार्टी के कुछ नवनिर्वाचित प्रगतिशील सांसदों ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध किया था। वे समर्थन के बदले नीतिगत मुद्दों पर ठोस आश्वासन चाहते थे।

गोपनीय मतदान में 11 सांसदों ने किया विरोध : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी के गोपनीय मतदान में केवल 11 डेमोक्रेटिक सांसदों ने जेफ्रीज के खिलाफ वोट दिया। इससे जनवरी में उनके स्पीकर चुने जाने की संभावना मजबूत हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विरोध करने वाले सांसद भी सदन में अंतिम मतदान के दौरान उनका समर्थन कर सकते हैं।

नामांकन मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जेफ्रीज ने कहा कि अमेरिकी जनता बड़े और बुनियादी बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति स्वीकार्य नहीं है और डेमोक्रेटिक



पार्टी लोगों की अपेक्षाओं के मुताबिक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रगतिशील सांसदों ने रखीं नीतिगत शर्तें : जेफ्रीज का विरोध करने वाले सात नवनिर्वाचित प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि वे मेडिकेयर फॉर ऑल यानी सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा योजना पर मतदान कराने और गाजा में कथित नरसंहार खत्म करने जैसे मुद्दों पर प्रतिबद्धता चाहते हैं। इन सांसदों में न्यूयॉर्क की डारियालिजा एविला शेवेलियर, न्यू जर्सी के एडम हमावी, टेक्सास के फ्रेडरिक हेन्स, कोलोराडो की मेलाट किरोस, मिशिगन के डोनावन मैकिनी और पेंसिल्वेनिया के क्रिस रैब के साथ न्यूयॉर्क की क्लेयर वाल्डेज शामिल हैं। डेमोक्रेटिक सांसद डॉन लियोनार्ड ने भी जेफ्रीज के नामांकन के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने कहा कि वह चुनावी चंदे से जुड़े नियमों में सुधार और इजराइल को अमेरिकी सहायता रोकने के मुद्दे पर मतदान कराने का आश्वासन चाहते हैं। लियोनार्ड के मुताबिक, जब तक इन मुद्दों पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं मिलती, तब तक उनका समर्थन नहीं होगा। जेफ्रीज ने पार्टी के भीतर विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डेमोक्रेट्स का काम मैगा कट्टरपंथ का मुकाबला करना है, न कि आपस में लड़ना।

कई गुटों से जेफ्रीज ने की बातचीत : नामांकन से पहले जेफ्रीज ने उन नवनिर्वाचित सांसदों से आमने-सामने बातचीत की, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके समर्थन का ऐलान नहीं किया था। इनमें से कई सांसद डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका से जुड़े थे। उन्होंने पार्टी के अलग-अलग गुटों से भी संपर्क किया। इनमें सेंटरिस्ट सांसद, न्यू डेमोक्रेट कोएलिशन, ब्लू डॉग कॉकस और कांग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस शामिल हैं। जेफ्रीज को वरिष्ठ सांसद जिम क्लाइबर्न का भी मजबूत समर्थन मिला। क्लाइबर्न कांग्रेसनल ब्लैक कॉकस के वरिष्ठ सदस्यों में शामिल हैं। उन्होंने पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि हकीम सुर्खियों के बजाय ठोस प्रगति में रुचि रखते हैं। जेफ्रीज ने शुक्रवार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के कई प्रमुख प्रस्तावों का समर्थन किया। इनमें मेडिकेयर के लिए पात्रता की उम्र घट

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।



एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल-

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरैट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिंग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुन: बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और रूखेपन को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। इससे स्कीन की टोनिंग होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

मीठा पोंगल



सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स



'**इट्स** द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।



बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन की शिकायत आ रही है। इससे उन्हें बचाकर रखने के लिए पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स बच्चों के बेस्ट-फ्रेंड होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (मे जा जी खी खू खे खो गा गी)

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

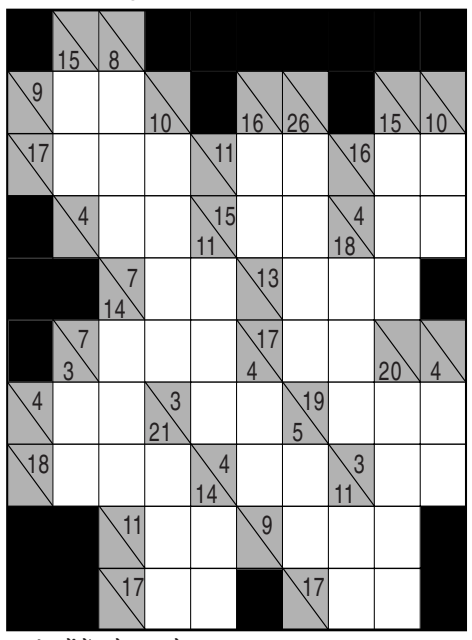
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

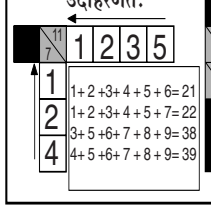
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 1904

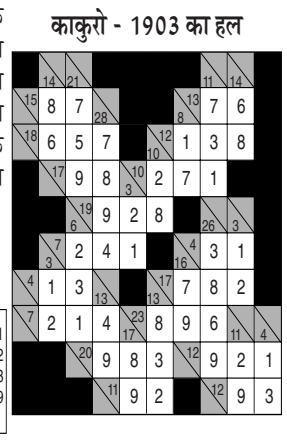


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 1903 का हल



हंसी के फुव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

□ □ □

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

□ □ □

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

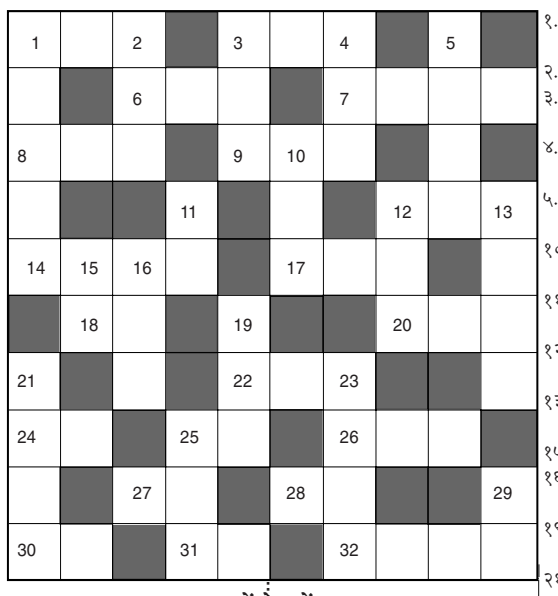
□ □ □

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1904



ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रमेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 1903

उ	त्स	व	■	चि	त्र	ग	■	खौ	फ
स्ता	■	च	रि	त्र	■	म	स्त	■	र
द	म	न	■	ले	कि	न	■	श	दी
■	र्या	■	रे	खा	■	■	ना	गि	न
अं	दा	ज	■	■	प्या	सा	■	र्द	■
गू	■	मा	चि	स	■	ज	ख्मी	■	जं
र	वी	ना	■	ल	गा	न	■	जं	ग
■	र	■	हे	मा	■	■	सी	■	ली
बे	ता	बी	■	न	या	ज	मा	ना	■
टा	■	ना	ना	■	दे	■	■	म	स्ती

सूडोकु -1904

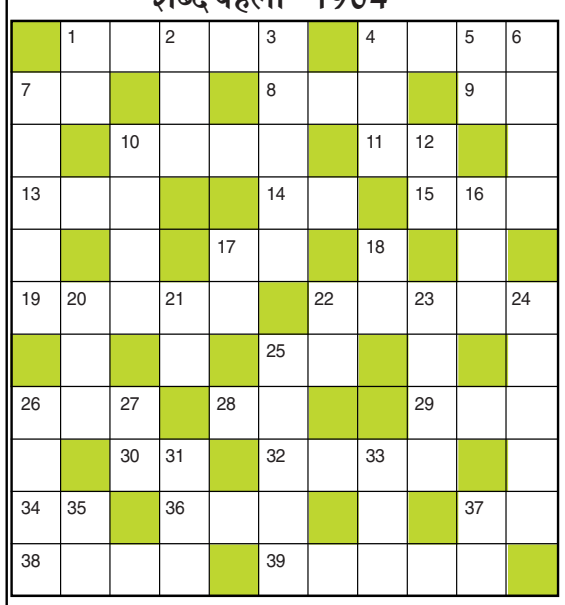
5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1903 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1904



बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली - 1903 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	ब
न	सी	ह	त	■	ब	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	बी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■	अ	जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

किरण बेदी को सरकार ने बनाया राष्ट्रीय मेंटर, प्रतिष्ठित हस्तियों का करेंगी मार्गदर्शन



नई दिल्ली , एजेंसी। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ किरण बेदी को सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद यानी एनसीटीई ने राष्ट्रीय मेंटर के रूप में शामिल किया है। किरण बेदी ने इससे पहले भी शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। किरण बेदी को यह जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की मेंटरिंग इनिशिएटिव फॉर टीचिंग, रिसर्च एंड असेसमेंट (मित्रा) पहल के तहत सौंपी गई है। इसका उद्देश्य देशभर के शिक्षकों को अनुभवी शिक्षाविदों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित हस्तियों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। जानकारी के मुताबिक इसके जरिए ऑनलाइन संवाद के जरिए शिक्षकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि उनके शिक्षण कौशल, व्यावसायिक दक्षता और विद्यार्थियों को सिखाने के परिणामों में सुधार किया जा सके। इस पहल से जुड़ने पर किरण बेदी ने कहा कि यह सेवानिवृत्त अधिकारियों, अनुभवी पेशेवरों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए समाज को योगदान देने का विश्वसनीय मंच है। उन्होंने शिक्षकों को केंद्र में रखकर तैयार की गई इस पहल की सराहना भी की है।

तेज हवाओं में एक तरफ झुक गया, पायलट ने स्विटरलैंड एयरपोर्ट पर कराई सुरक्षित लैंडिंग

- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, कतर का सरकारी प्रतिनिधिमंडल था सवार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विटजरलैंड के बर्न एयरपोर्ट पर एक जेट विमान की लैंडिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान लैंडिंग के लिए आगे बढ़ रहा है और वह तेज हवाओं से जूझ रहा है। ये तेज हवाएं विमान को झकझोर देती हैं। इस वीडियो में विमान के सुरक्षित उतरने से ठीक पहले का वह खतरनाक पल दिखाई देता है, जिसमें विमान लैंडिंग के अंतिम चरण में खराब मौसम से गुजर रहा है। ये हवाएं इतनी तेज थीं कि विमान डगमगा गया और एक तरफ झुक गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये विमान कतर के सरकारी प्रतिनिधिमंडल को लेकर आया था। विमान तेज क्रॉसविंड के बीच लैंडिंग करता नजर आया। 35 नॉट तक की तेज हवाओं के कारण विमान हवा में झुका लेकिन पायलट ने बड़ी सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग कराई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एविएशन फोटोग्राफर मैथियास हैनी ने कैमरे में कैद किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान पहाड़ों के बीच से गुजर रहा है और 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं।

खाटू श्याम मंदिर के पास रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, गैस सिलेंडरों में हुए धमाके

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम मंदिर के एग्जिट गेट के पास एक रेस्टोरेंट में आग लग गई है। ये हादसा ऐसे समय में हुआ जब खाटूश्याम के जन्मोत्सव के लिए भारी मात्रा में भीड़ जमा हुई थी। आग लगते ही भक्तों में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि आतिशबाजी की वजह से रेस्टोरेंट में आग लगी हो। दरअसल बाबा खाटूश्याम के जन्मदिन से पहले इलाके में आतिशबाजी पर बैन लगा दिया गया था लेकिन बताया जा रहा है कि बैन के बावजूद लोगों ने खूब पटाखे फोड़े और इधर उधर फेंके। ऐसे में आग लगने का एक कारण आतिशबाजी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग तुरंत पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई जिसकी लपटें काफी दूर से ही देखी जा सकती थीं। आग फैलने के बाद अंदर रखे दो दर्जन से ज्यादा गैस सिलेंडरों में से चार में धमाके हुए। घटना की सूचना मिलते ही लोग और व्यापारी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने की कोशिशें की।

पीएम मोदी पर खरगे का आरोप...

अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ना ठहराएं

-आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में एफआईसीसीआई शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था, महंगाई और रोजगार को लेकर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगा मानो प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता हों और वे 12 साल बाद नींद से जागे हो।

अपनी पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस है और देश में सबसे अधिक दशक-औसत विकास दर कांग्रेस-यूपीए (यूपीए) के कार्यकाल के दौरान दर्ज हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सभी के लिए समान मौके की वकालत की है और बार-बार चेतावनी भी दी थी, लेकिन मोदी सरकार ने देश के सभी संसाधन अपने 1-2 करीबी पूंजीपति मित्रों को सौंप दिए और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) तथा छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी।

भारतीय उत्पादों की ब्रैंड वैल्यू पर चिंता जताकर कांग्रेस नेता खरगे ने लिखा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की कमी ने इनोवेशन को दबाया, विनिर्माण की गुणवत्ता को प्रभावित किया और भारतीय उत्पादों की विश्वसनीयता तथा वैश्विक ब्रांड वैल्यू को कमजोर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज, न नौकरियां हैं, न ही बचत, और महंगाई अपने चरम पर है। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को बंद कर दिया गया है, और मेक इन इंडिया को बाय फ्रॉम चाइना में बदल दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर पूंजीपतियों के एक चुनिंदा समूह को भारतीय अर्थव्यवस्था पर संरचनात्मक नियंत्रण हासिल करने की छूट देने का गंभीर आरोप लगाया, इस काम को वे एक आर्थिक आपदा मानते हैं।

दूसरी ओर, एफआईसीसीआई के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 सालों की उपलब्धियां गिनाई थीं। उन्होंने कहा था कि बीते 100 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने लाइसेंस-कोटा राज, राष्ट्रीयकरण के विफल प्रयोग और



21वीं सदी में कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने जैसे कई दौर देख चुके हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि बीते 12 वर्षों में हमारे युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने इस स्थिति को बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूती हासिल की है।

कावेरी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ने की तमिलनाडु की मांग खारिज

- -सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से किया इनकार, फसल प्रभावित होने का दिया गया था हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी नदी से कर्नाटक द्वारा तमिलनाडु के लिए 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार का कहना था कि पानी की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है और फसलें प्रभावित हो रही हैं। तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में राज्य में पानी की मौजूदा कमी का हवाला देते हुए कर्नाटक से अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पर्याप्त पानी नहीं मिलने से कृषि गतिविधियों पर असर पड़ रहा है और किसानों के सामने मुश्किलें पैदा हो रही हैं। तमिलनाडु की ओर से कावेरी नदी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया और तमिलनाडु की मांग खारिज कर दी। कावेरी जल बंटवारा कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच लंबे समय से संवेदनशील मुद्दा रहा है। मौजूदा मामले में भी तमिलनाडु ने पानी की कमी और किसानों की परेशानी को आधार बनाकर अतिरिक्त जल छोड़ने की मांग की थी, लेकिन अदालत से राहत नहीं मिली।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में केसीपी से जुड़ा एक उग्रवादी ढेर, कई गिरफ्तार

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने एनकाउंटर में एक उग्रवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल पटसोई पुलिस स्टेशन इलाके के अंतर्गत युरेम्बाम में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया। एक अधिकारी ने बताया कि फायरिंग में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के गुट से जुड़ा एक उग्रवादी मारा गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन के कई उग्रवादियों को अरेस्ट भी किया है। ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले हाल में दिल्ली में प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का वांटेड उग्रवादी पकड़ा गया था। बाद में उसे मणिपुर पुलिस को सौंप दिया गया था। बता दें मणिपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में मई, 2023 में घाटी में रहने वाले मैती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मणिपुर की इस जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ-ईस्ट के मणिपुर में रहने वाले मैतेई जोकि गैर-जनजातीय बहुसंख्यक समुदाय है और मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहता है, के साथ कुकी जोकि अनुसूचित जनजाति समुदाय और प्रमुख रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में बसा है, के बीच जमीन पर अधिकार, रिजर्वेशन और पहचान से जुड़ा जातीय संघर्ष है। यह मई 2023 में बड़े पैमाने पर हिंसा में बदल गया था। मैतेई समुदाय के लोग लंबे वक्त से खुद को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुकी समुदाय के लोग इसका विरोध करते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे सरकारी नौकरियों, रिजर्वेशन और संसाधनों में उसका भाग प्रभावित हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला: साइबर धोखाधड़ी में आरोपी तय नहीं कर सकता एफआईआर का स्थान

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों के मामलों में कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित उसके खिलाफ किस स्थान पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराएं। शीर्ष अदालत ने वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिक्री से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी भूमि पटेल द्वारा विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका को खारिज किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गुजरात के गांधीनगर और हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज



आपराधिक मामलों को एक साथ नत्थी करने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क दिया कि जांच में समानताएं होने को आरोपी को लाभ पहुंचाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायमूर्ति बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई आरोपी विभिन्न राज्यों की पुलिस को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले कथित अपराधों की जांच करने से नहीं रोक सकता।

शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि संगठित साइबर अपराधों से निपटने के मामलों में कानून को यथासंभव सख्ती से लागू होना चाहिए। पीठ ने आरोपी को किसी भी तरह की रियायत देने के पक्ष में न होने की बात स्पष्ट कर कहा, कोई रियायत नहीं। याचिकाकर्ता भूमि उत्पलभाई पटेल ने आत्मसमर्पण कर दिया था और वह पांच महीने से अधिक समय से अहमदाबाद केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में है। यह फैसला साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत संदेश है।

हाईवे से अतिक्रमण हटाने के नाम पर मनमानी तोड़फोड़ नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हाईवे के किनारे अतिक्रमण हटाने को लेकर उसके पुराने आदेश को मनमानी तोड़फोड़ का आधार नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने प्रभावित संपत्ति मालिकों को संबंधित हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संबंधित राज्यों के हाईकोर्ट संपत्तियों के स्वामित्व और अतिक्रमण की वैधता की स्वतंत्र रूप से जांच करेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण हटाने के लिए पहले दिए गए निर्देशों का अर्थ यह नहीं है कि प्रशासन बिना उचित प्रक्रिया के किसी संपत्ति को तोड़ सकता है। संपत्ति मालिकों को अपनी आपत्ति और दावों को संबंधित हाईकोर्ट के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। पीठ ने संबंधित हाईकोर्ट को संपत्तियों के स्वामित्व और यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी दी कि संबंधित निर्माण वास्तव में वैध है या अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और संपत्ति मालिकों के अधिकारों के बीच संतुलन पर जोर दिया है।

गिरगिट रंग बदल सकता है, आदत नहीं, अखिलेश को खुद नहीं पता वह क्या चाहते हैं

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या रैली में सपा पर साधा निशाना

अयोध्या , एजेंसी। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या की रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश यादव का सम्मान करते हैं, लेकिन उन्हें खुद नहीं पता कि वह करना क्या चाहते हैं। आकाश ने सपा के पीडीए फॉर्मूले पर तंज कसते हुए कहा कि कल तक पीडीए में पी का मतलब पिछड़ा था, लेकिन ब्राह्मण समाज के बसपा से जुड़ने के बाद रातोंरात पी का मतलब पंडित हो गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आते-आते पी का मतलब फिर बदल जाएगा और डी-ए घबराए बैठे हैं कि कहीं उनका नंबर न लग जाए। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा सीट से आकाश आनंद ने जितेन्द्र सिंह बबलू को बसपा का उम्मीदवार घोषित किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आकाश आनंद ने आगरा में हुए सपा के दलित सम्मेलन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक दिन के सम्मेलन से पूरी सपा दलितों की पार्टी बन गई, लेकिन गिरगिट रंग तो बदल सकता है, अपनी आदत नहीं। उन्होंने सपा के थिंक टैंक रामगोपाल यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे जिस भीड़ को सम्मान देने पहुंचे थे, उसी पर बरस पड़े और गुस्से में उन्हें ही मूरख कह दिया। आकाश ने अयोध्या के सोहावल में जनसभा को संबोधित करते हुए पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर योगी सरकार को भी घेरा। आकाश ने कहा कि पिछले 10 साल में 10 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। हमारा बच्चा सालभर पढ़ाई करता है, लेकिन परीक्षा से पहले ही पेपर बाजार में पहुंच जाता है। इस प्रदेश में अगर कोई चीज समय से पहले पहुंचती है तो वह लीक हुआ पेपर। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आकाश आनंद ने कहा कि वह जो आंकड़े जनता के सामने रख रहे हैं, वे एनसीआरबी के सरकारी आंकड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि हत्याओं के मामले में यूपी पूरे देश में नंबर वन है और हर साल 3 हजार से ज्यादा हत्याएं होती हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में भी प्रदेश नंबर वन है, जहां हर साल 65 हजार से ज्यादा मामले सामने आते हैं।

आकाश ने अयोध्या की रैली में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस आंबेडकर की तस्वीर हाथ में



लेकर घूमती है, लेकिन उनका इतिहास छिपाती है। आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने आरक्षण को किताबों तक सीमित रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की वजह से आंबेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले वोट के लिए आंबेडकर को गले लगाती थी और सत्ता मिलने के बाद किनारे कर देती थी। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि राज्य देखकर कांग्रेस की हमदर्दी बदल जाती है।

माफिया के बाद अब नशे के सौदागरों को करेंगे तबाह: योगी

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया और संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के बाद अब प्रदेश सरकार नशे के सौदागरों को तबाह करेगी। इसके लिए निर्णायक अभियान शुरू होगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल व रोजगार पर लगाने का आह्वान किया। सपा के जुलूस के मसूम की हत्या का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले सपा के गुंडों को कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरण की शुरुआत की। 23 विद्यार्थियों को उन्होंने स्वयं टैबलेट दिए। मुख्यमंत्री ने दो दिन पहले गोरखपुर में सपा के जुलूस के दौरान दसवीं के छात्र की मौत का जिक्र करते हुए घटना को



प्रदेश की पहचान पर काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि अपनी छोटी बहन को स्कूल से लेने जा रहा छात्र चौरी-चौरा के क्रांतिकारी पूजन सिंह का प्रपौत्र था। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले तत्वों को पूरी तरह कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एंप्लॉयमेंट जोन बनाया जाएगा। यहां जापानी और जर्मन भाषा समेत विभिन्न कौशल का प्रशिक्षण देकर युवाओं को देश-विदेश की कंपनियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। सरकार पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। 8 हजार लेखपाल, 32 हजार पुलिसकर्मी और 42 हजार से अधिक होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब 26 जनवरी तक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले भर्ती परीक्षाओं में 'मुन्ना भाई' और 'सैफई सिंडिकेट' का बोलबाला था, लेकिन अब टैलेंट के आधार पर तेजी से नियुक्तियां हो रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि युवा फीड नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने में 30 सेकंड लगाने के बजाय स्किलिंग पर तीन घंटे दें। सोशल मीडिया पर मिलने वाली सूचनाओं का फैक्ट चेक करने और डिजिटल सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि योजना के पहले चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए गए, जबकि दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से जनगणना-2027 की स्वगणना और मतदाता सूची पुनरीक्षण में भी डिजिटल माध्यम से भागीदारी की अपील की।

मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर विचार कर रहा बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई , एजेंसी। दिवाली के दौरान शहर में 300 से अधिक आग लगने की घटनाओं और ध्वनि व वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि को चिंताजनक बताकर बॉम्बे हाईकोर्ट मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि यदि नागरिक असंवेदनशील बने रहते हैं और उनमें नागरिक बोध की कमी रहती है, तब पीठ केवल निर्धारित स्थानों पर सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने की अनुमति देगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि शहर को इस जहरीले वातावरण से मुक्त करने और रहने के लिए अधिक अनुकूल बनाने का यही एकमात्र समाधान होगा। पीठ ने कहा, दूसरों का स्वास्थ्य हमारी मुख्य चिंता है। अदालत ने अगस्त से ही सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाई थी, लेकिन दिवाली के दौरान आग की घटनाओं और रात तीन बजे तक अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों ने अपनी मानसिकता न बदलने का ठान लिया है।

पंजाब की सियासत में उलटफेर, आप, कांग्रेस और अकाली दल के नेता बीजेपी में शामिल

प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने सभी नेताओं का औपचारिक रूप से स्वागत किया

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब की सियासत में चुनाव से पहले एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी का दामन थाम लिया। यह घटना लुधियाना, मोगा और संगरूर जिलों में विपक्षी दलों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने इन नेताओं का औपचारिक रूप से पार्टी में स्वागत किया।

बीजेपी में शामिल होने वालों में मोगा के आप नेता और प्रवक्ता नवदीप सिंह संघा प्रमुख थे। रायकोट से वरिष्ठ अकाली नेता सुरिंदर सिंह चौहान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। संगरूर जिले के लेहरागागा निर्वाचन क्षेत्र के युवा नेता हार्दिक नैन ने भी बीजेपी का दामन थामा। हार्दिक नैन 2015 में पंजाब यूनिवर्सिटी एनएसयूआई के अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने स्टूडेंट फ्रंट पीयू की स्थापना की थी, जिसने 2016 में पंजाब यूनिवर्सिटी छात्र परिषद की सभी चार सीटों पर जीत हासिल की



थी।

इन प्रमुख चेहरों के साथ, ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स काउंसिल के 25 से ज्यादा पदाधिकारियों ने भी बीजेपी की विचारधारा को अपनाया, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, आरटीआई विंग के चेयरमैन, किसान विंग के अध्यक्ष और एनआरआई विंग के चेयरमैन शामिल थे। मोगा के आप के संस्थापक सदस्य और इंटेलेक्चुअल विंग के प्रभारी मनदीप सिंह गिल, मोगा जिला एससी-बीसी विंग के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह रिंकू, और पंजाब एससी-बीसी विंग के संयुक्त सचिव सुखदीप सिंह धामी जैसे नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस व्यापक सदस्यता अभियान से बीजेपी ने पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है।

'सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं'

गौतम गंभीर और पृथ्वी शॉ के कोच का बयान



नई दिल्ली । गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन से मोहम्मद सिराज को बाहर रखने के पीछे धार्मिक एंगल के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि टीम का चयन पूरी तरह से क्रिकेट की जरूरतों और कॉम्बिनेशन पर आधारित था। आईएएनएस से बात करते हुए भारद्वाज ने कहा, 'यह आरोप बेबुनियाद है। इंडियन क्रिकेट टीम में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं है। हर कोई इंडियन है और देश का प्रतिनिधित्व करता है। गौतम गंभीर ने हमेशा मोहम्मद सिराज का समर्थन किया है। अगर सिराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं, तो यह पूरी तरह से टीम की जरूरतों की वजह से है। सिलेक्शन टीम के कॉम्बिनेशन, प्लेयर्स की पोजीशन और उनके परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। गंभीर किसी से निजी दुश्मनी नहीं रखते। उनकी प्राथमिकता सही कॉम्बिनेशन के साथ एक मजबूत टीम बनाना है। बीसीसीआई भी किसी भी हिंदू-मुस्लिम बंटवारे में न तो विश्वास करता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। ऐसे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।' क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के बचपन



के कोच संतोष पिंगुलकर ने भी हिंदू-मुस्लिम एंगल को खारिज किया है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सिराज को टीम से बाहर रखने से जुड़ी जो चर्चा चल रही है, वो बेबुनियाद है। उन्हें वनडे में मौका दिया गया था। वह अभी भी टीम का हिस्सा हैं। उन्हें लेकर जो राजनीतिक बयान आ रहे हैं, वो गलत हैं। क्रिकेट में राजनीति की कोई जगह नहीं है। ' दरअसल, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से वेलिंगटन में शुरू हुए टेस्ट मैच की भारतीय प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किए जाने पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने सिराज को टीम में जगह न मिलने का कारण उनका नाम बताया है। मसूद ने कहा, 'उनका नाम सिराज है–क्या यही वजह काफी नहीं है? अगर वह अच्छा कर रहा है और फिर भी उसे नहीं चुना जा रहा है, तो इसके पीछे और क्या वजह हो सकती है? सिर्फ यही वजह हो सकती है, इसके अलावा कोई और वजह नहीं हो सकती। ' सिराज, जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकिल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्हें टीम से बाहर रखने की वजह से टीम की चयन रणनीति पर सवाल उठे हैं।



महेला जयवर्धने बने जीएमआर स्पोर्ट्स में क्रिकेट डायरेक्टर

डब्ल्यूपीएल का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को जीएमआर स्पोर्ट्स ने क्रिकेट डायरेक्टर बनाया है। जयवर्धने इस भूमिका में विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के क्रिकेट



कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स क्रिकेट टीम के पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, प्लेयर डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट पर स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन देंगे और हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी काम करेंगे, ताकि ग्रुप की टीमों के बीच नॉलेज, एक्सपर्टीज और बेस्ट प्रैक्टिस साझा कर सकें। इस नियुक्ति से डब्ल्यूपीएल जीतने की कोशिश कर रही दिल्ली कैपिटल्स को मजबूती मिलेगी। दिल्ली कैपिटल्स 2023 में शुरू हुए डब्ल्यूपीएल की पांच फाउंडिंग टीमों में से एक है। अब तक टूर्नामेंट के सभी चार एडिशन में फाइनल में पहुंची टीम हर बार रनर-अप रही है। अपनी नियुक्ति के बाद जयवर्धने ने शनिवार को दिए एक बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट डायरेक्टर का रोल निभाने में बहुत खुशी हो रही है। इस कॉम्पिटिशन में महिलाओं के खेल के भविष्य को आकार देने की बहुत ज्यादा क्षमता है। मैं टैलेंटेड खिलाड़ियों के एक स्थापित ग्रुप और एक अनुभवी सपोर्ट टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

हांगकांग ओपन 2026

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, रक्षिता बाहर

हांगकांग । भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी की जोड़ी को हराकर हांगकांग ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-12, 13-21, 21-16 से हराकर जीत दर्ज की। वे दूसरा गेम हार गए, लेकिन वापसी करते हुए तीसरा गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने 13 मिनट में 21-12 से पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम ज्यादा कड़ा था और 4-4 की बराबरी के बाद दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। फिर स्कोर 9-9



से बराबर हो गया। हू और लिन ने 13-11 से बढ़त बनाई और 15-11 पर पहुंचने के बाद इसे 21-13 से जीत लिया। भारतीयों ने तीसरे गेम में जबरदस्त वापसी की और इंटरवल तक 11-7 से आगे थे। उन्होंने जीत का सिलसिला बनाए रखा और 15-9 तथा 17-10 से आगे हो गए। हालांकि, चीनी जोड़ी ने आखिर में वापसी की कोशिश की, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपना संयम बनाए रखते हुए गेम 21-16 से जीतकर आखिरी चार में जगह बनाई।

दूसरी ओर, भारत की रक्षिता रामराज महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं। 19 साल की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, जिसमें स्कोर 13-13 से बराबर रहा। चोचुवोंग 17-15 से आगे हो गईं, लेकिन रक्षिता ने वापसी करते हुए 17-17 से बराबरी कर ली। हालांकि, थाई शटलर ने धैर्य बनाए रखते हुए 21-19 से गेम जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: दूसरे दिन का खेल समाप्त भारत का स्कोर 1 विकेट पर 159 रन

जायसवाल शतक से चूके

वेलिंगटन । भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की समाप्ति के समय 1 विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए थे। केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने की। शुरुआत धीमी रही, लेकिन एक बार लय मिलने के बाद भारतीय ओपनरों ने मैदान के चारों ओर रन बनाए। जायसवाल बेहद आक्रामक रहे। बाएं हाथ का यह युवा सलामी बल्लेबाज शतक से चूक गया। जायसवाल 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को मैट हेनरी ने आउट किया। आउट होने से पहले इस खिलाड़ी ने पहले विकेट के लिए केएल राहुल के साथ 27.5 ओवर में 130 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दी। केएल राहुल 116 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पडिक्कल 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड की पहली पारी के स्कोर से अभी भी 209 रन पीछे है।

इससे पहले दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हुए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी की।

फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया। हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाशदीप ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया। वॉशिंगटन सुंदर को विकेट नहीं मिला।

निकोलस 175 पर नाबाद रहे, फिलिप्स ने भी लगाया शतक

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन में न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी निकोलस और ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 243 रन से की थी।

निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन पर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। आकाशदीप की गेंद पर बोल्ड होने से पहले फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को 286 तक पहुंचाया। फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया।

हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोलस का यह 12वां टेस्ट शतक है और इस वेन्यू पर लगाया 5वां शतक है।

ग्लेन फिलिप्स ने की रोहित शर्मा की बराबरी

हासिल की असाधारण उपलब्धि

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने वेलिंगटन में भारत के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (शुक्रवार) शतक लगाया। फिलिप्स ने 118 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही फिलिप्स ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ग्लेन फिलिप्स एक ही कैलेंडर ईयर में भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक ही कैलेंडर ईयर में किसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले फिलिप्स दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कीर्तिमान भारत



के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी हासिल कर चुके हैं। फिलिप्स ने जनवरी 2026 में इंदौर में भारत के खिलाफ हुए वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू टी20 सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 107 रन बनाए थे। मौजूदा टेस्ट में खेली गई 118 रन की पारी से उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में एक ही टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाया था। उस समय वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज थे। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं, और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। फिलिप्स ने भारत के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 232 रन बनाए हैं। वहीं, 16 वनडे की 12 पारियों में 1 शतक की बदौलत 342 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में फिलिप्स का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली है। भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों की 20 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 657 रन बनाए हैं।

रियल मैड्रिड ने ऑरेलियन टचौमेनी के साथ 6 साल का नया करार किया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने फ्रांसीसी मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी के साथ अपना करार जून 2032 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही क्लब ने अपने एक अहम खिलाड़ी को लंबे समय के लिए साथ बनाए रखा है। स्पेनिश क्लब ने गुरुवार को इस करार के विस्तार की घोषणा करते हुए पुष्टि की है कि यह मिडफील्डर अगले छह साल तक सैंटियागो बर्नाबेउ (रियल मैड्रिड का स्टेडियम) में बना रहेगा। टचौमेनी 2022 में फ्रांसीसी क्लब एएस मोनाको से रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले पांच सीजन में 205 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान क्लब के साथ आठ ट्रॉफियां जीतीं। उनकी जीती गई ट्रॉफियों में एक यूईएफए चैंपियंस लीग, दो फीफा क्लब वर्ल्ड कप, दो यूईएफए सुपर कप, एक ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और एक स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।



उस्मान ख्वाजा 'सबसे बड़े गद्दार'

सैंडपेपरगेट खुलासे के बाद पूर्व दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज का बयान

पर्थ । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा को खेल का 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। फैनी का यह बयान उस्मान ख्वाजा की नई किताब 'सब्र' में 2018 के बॉल-टैम्परिंग स्कैंडल के ज़िक्र और उसे लेकर हो रहे विवाद के बाद आया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में दावा किया है कि 2018 में केपटाउन में हुए सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। फैनी डिविलियर्स ने इस मामले के सामने आने के बाद उस्मान ख्वाजा पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। पर्थ स्थित एक एफएम चैनल से बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा, 'मैं ऑन रिकॉर्ड कहना चाहता हूं कि ख्वाजा शायद सबसे बड़ा गद्दार है, जिसे मैंने पिछले 40-50 वर्षों में खेल खेलते हुए देखा है। उसने हर एक कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ा है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। उसने अपने साथी खिलाड़ियों को बेच दिया है। यह सही या गलत के बारे में नहीं है। गलत को पहले ही हैंडल किया जा चुका है। यह पहले से ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का हिस्सा रहा है। दुख की बात है कि ऐसा हुआ। इस आदमी ने सब कुछ फिर से सामने ला दिया है। ' डिविलियर्स ने कहा, 'ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक बार फिर बदनाम किया है। उसने दोस्ती तोड़ी है और टीम के अंदर जो कोड ऑफ कंडक्ट होता है, उसे भी तोड़ा है। उसने वह सब कुछ गलत किया है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। '



ख्वाजा की किताब प्रकाशित होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के अलग-अलग बयानों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। पूर्व सलामी बल्लेबाज और उस टेस्ट का हिस्सा रहे डेविड वॉर्नर ने ख्वाजा के दावों का समर्थन किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ख्वाजा के दावों को बकवास करार दिया था। मिचेल स्टार्क ने भी इस मामले पर अपने पुराने बयान को ही दोहराया है, जिसमें ख्वाजा के दावों से सहमति नहीं जताई गई है।

इन सबके बीच उस विवाद का सबसे बड़ा चेहरा रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में छपे 4,497 शब्दों के एक लेख में कहा है कि यह झूठ है कि कमिंस और टीम को सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी नहीं थी। बैनक्रॉफ्ट का बयान आने के बाद कमिंस की मुश्किल बढ़ गई है। उन पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बढ़ गया है।

2018 में हुई इस घटना में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को आरोपी मानकर सजा दी गई थी। स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर 9 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।



दो साल बाद वापसी होने जा रही है बे की

सीरीज कॉल मी बे में बेला बे चौधरी के किरदार से बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। करण जौहर द्वारा समर्थित इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद बे की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या बे के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती हैं, मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो। कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा। आने वाले सीजन में बे की लव लाइफ और भी उलझने वाली है, जिससे उसके दिल और उसके बहन कोड दोनों की परीक्षा होगी। कॉलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉल मी बे सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। सोमेन मिश्रा और कॉलिन डीकुन्हा इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर, रोहित नायर और नितल चंदरना ने लिखा है। नए सीजन में पुरानी कास्ट की वापसी होगी, जिसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कॉल मी बे के दूसरे सीजन में श्रुति हासन की एंट्री होने वाली है। इसके अलावा, वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए, प्रोड्यूसर करण जौहर ने कहा, सीजन 1 को मिले प्यार और रिस्पॉन्स ने यह साबित कर दिया कि दर्शक बे के उतार-चढ़ाव भरे सफर और जिंदगी को लेकर उसके बेबाक नजिरिए से गहराई से जुड़ गए थे। सीजन 2 के जरिए हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते हैं। इसमें हम बे के नए पहलुओं को दिखाएंगे, साथ ही उस मजाक, जज्बात और बेबाक अंदाज को भी बनाए रखेंगे, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। हम प्राइम वीडियो के साथ फिर से जुड़कर दर्शकों के सामने बे की जिंदगी का एक नया पड़ाव लाने के लिए उत्साहित हैं।

इसमें बे और उसकी प्यारी सहेलियां एक ऐसे नए सफर पर निकलेंगी, जो हंसी-मजाक, भावनाओं और ढेर सारी उथल-पुथल से भरा होगा। यह सीरीज बेला बे चौधरी की कहानी है, जो दक्षिण दिल्ली की एक अमीर सोशलिट हैं। उनका आलीशान जीवन तब अचानक बदल जाता है, जब उनका परिवार उन्हें बेदखल कर देता है। इसके बाद उन्हें मुंबई में अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अनन्या पांडे को उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी के लिए काफी तारीफ मिली। कई दर्शकों को यह शो मनोरंजक, हल्का-फुल्का और एक बार में पूरा देख लेने लायक लगा। वीर दास को भी एक टीवी न्यूज एंकर के रूप में उनके अभिनय के लिए काफी सराहा गया।



अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की। रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।



नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया।

हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है। उन्होंने इस विवाद के पीछे की पूरी वजह भी साझा नहीं की है। दूसरी ओर, खबर लिखे जाने तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने अभिनेत्री की बात को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का संदर्भ जानने की इच्छा जताई। वहीं, कई यूजर्स ने इसे किसी आने वाली फिल्म, विज्ञापन या नए प्रोजेक्ट से जोड़कर देखा। उनका मानना है कि मनोरंजन जगत में कई बार कलाकारों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी परियोजना का प्रचार किया जाता है। ऐसे में दीया की इस टिप्पणी को लेकर भी कुछ लोगों ने संदेह जताया।



एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह भी प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। एक अन्य यूजर ने दोनों कलाकारों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या की तुलना करते हुए प्रतिक्रिया दी। वहीं, एक यूजर ने कहा कि अब दर्शक प्रचार और वास्तविक विवाद के बीच अंतर समझने लगे हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कलाकार लगातार विवादों के जरिए अपने प्रोजेक्ट का प्रचार करेंगे, तो भविष्य में लोग उनकी वास्तविक समस्याओं और गंभीर शिकायतों को भी प्रचार समझकर नजरअंदाज कर सकते हैं। एक अन्य टिप्पणी में दीया की अभिनय क्षमता पर भी निशाना साधा गया। फिलहाल इस पूरे मामले में दीया मिर्जा की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं आया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की प्रतिक्रिया का भी इंतजार है। दोनों कलाकारों के बीच विवाद की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

प्रियंका ने याद किया अभिषेक संग शरारत

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ की गई एक पुरानी और मजेदार शरारत को याद किया है। प्रियंका ने बताया कि एक बार उन्होंने अभिषेक का फोन छुपा दिया था और उससे अभिनेत्री रानी मुखर्जी को एक मैसेज भेजा।



गौरतलब है कि अभिषेक और रानी के अपने-अपने जीवनसाथी से शादी करने से पहले उनके बीच प्रेम संबंध होने की खबरें थीं। प्रियंका ने कहा कि अभिषेक ने ही सबसे पहले उनका फोन चुराकर इस शरारत की शुरुआत की थी, और उन्होंने इसे अभिषेक पर पलटवार करने का एक मौका समझा। प्रियंका ने अपने मैसेज में लिखा था, मुझे तुम्हारी याद आ रही है, तुम कहां थीं? क्या तुमज रानी मुखर्जी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, हाय एबी, क्या हुआ है तुम्हें? बाद में यह बात सामने आई कि प्रियंका को इस घटना के बारे में जिसने बताया था, वह संभवत : अभिषेक ही थे।

ग्रीस में छुट्टियां मना रहे सैफरीना

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक, करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों ग्रीस में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर इस फैमिली ट्रिप की कुछ मनमोहक झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं। इन तस्वीरों में कपल सूर्यास्त के खूबसूरत नज़ारे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए एकदम परफेक्ट नजर आ रहा है। एक तस्वीर में सैफ अली खान एक साइनबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं, जिस पर सनसेट लिखा है। उन्होंने इसके साथ लिखा, अगर कोई शक हो तो। करीना के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए सैफ ने मजाकिया कैप्शन में लिखा, सनसेट तो मुख्य आकर्षण होना चाहिए था, लेकिन कोई मेरा ध्यान भटका रहा है। दूसरी तस्वीर में सैफ, पत्नी करीना और छोटे बेटे जेह के साथ एक प्यारी-सी सेल्फी ले रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सीन ने की शानदार कमाई



बाक्स ऑफिस पर रामायण के बीच सीन ने भी शानदार कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। यह फिल्म सूर्या के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.21 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म ने नौवें दिन टोटल 16.21 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं आठवें दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में 53.21 परसेंट की ग्रोथ दिखी। फिल्म ने इंडिया में नेट 126.8 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 149.63 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 78.7 करोड़ की बिजनेस किया। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.33 करोड़ का बिजनेस किया। इसी के साथ सीन सूर्या के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने विश्वनाथ एंड सन्स ने 212.23 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सीन ने 228.33 करोड़ कमा लिए हैं। अब सीन से आगे करुप्पु है ।सूर्या के करियर की टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में करुप्पु नंबर वन पर है। फिल्म ने 315 करोड़ कमाए। दूसरे नंबर पर सीन है। फिल्म ने 9 दिनों में 228.33 करोड़ कमाए। विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है। इस फिल्म ने 212.23 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे नबंर पर सिंघम 2 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ कमाए। पांचवें नंबर 24 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ का बिजनेस किया। छठें नंबर पर कंगुवा है। फिल्म ने 107.03 करोड़ का बिजनेस किया। सातवें नंबर पर 7 अमअरिवु है। फिल्म ने 105.2 करोड़ की कमाई की। आठवें नंबर पर सिंघम 3 है। इस फिल्म ने 104.6 करोड़ कमाए। नौवें नंबर पर रेट्रो है। इस फिल्म ने 9.48 करोड़ की कमाई की।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।

अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं। इसके बाद जैकी उस जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे दे देते थे और बदले में उसे दुआएं मिलती थीं। अर्चना ने बताया कि उस समय दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। उनके पास भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे, लेकिन जैकी का दिल बहुत बड़ा था। वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते थे। इसी वजह से कई बार उनके पास खुद के खर्च के लिए पैसे कम पड़ जाते थे। जब जैकी श्रॉफ ने यह पुराना वीडियो देखा, तो उन्होंने अर्चना को पांच रुपये के बदले 500 रुपये लौटाए। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पांच रुपये के बदले 500 रुपये। इस पर अर्चना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कपिल के शो में उनकी पहली कमाई है।

जैकी ने इस दौरान अपनी पुरानी आदत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें शूटिंग के बाद पैसे मिलते थे, तो रास्ते में मिलने वाले जरूरतमंद लोगों की मदद करने में वह रकम खर्च हो जाती थी। कभी किसी का घर जल गया होता, तो कभी किसी के परिवार में शादी होती या किसी के घर बच्चे का जन्म होने वाला होता। ऐसे मौकों पर वह अपनी क्षमता के अनुसार मदद करते थे। अभिनेता ने बताया कि कई बार प्रोडक्शन से जुड़े लोगों को भी पता होता था कि उस दिन उन्हें भुगतान मिलने वाला है। लेकिन घर पहुंचने तक वह पैसे लोगों की मदद में खर्च कर चुके होते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें अर्चना से पैसे उधार लेने पड़ते थे। यह पुराना किस्सा एक बार फिर जैकी श्रॉफ की दरियादिली और अर्चना के साथ उनके पुराने रिश्ते को सामने लाता है।



सबसे खास सर्दियों का अहसास

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -



सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादो पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विंटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्लव्स पहनाना न भूलें।



खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।



ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही - अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।



बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।



बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।